यूनिट 3

चैंपियन्स

आत्मा के फल से

अध्यापकों की पुस्तक

हर उम्र के लिए (4–15 तक की आयु)

प्रिय शिक्षकों,

हम प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर आपको आशीष दें जबकि आप उसकी सेवा करते और बच्चों के बीच पूरी दुनिया में सेवकाई करते हो। आप एक बदलाव ला रहे हो, साथ ही अनंतता के लिए जीवन परिवर्तित भी कर रहे हो!

हमारे पास आपके लिए एक सरप्राईज़ है। आप सोचते होंगे कि आप केवल एक संडे स्कूल शिक्षक होने के लिए चुने गये हो, लेकिन अब आपके काम का ब्यौरा बदलकर अब आप एक 'कोच' (अनुशिक्षक) बन गये हो! यह बिल्कुल सही है, इस साल हम बाइबल को एक 'मुक्केबाजी' के शीर्षक के अंतर्गत पढ़ेंगे और साथ ही खेल के साथ कुछ मनोरंजन भी करने की आशा करते हैं। प्रिय शिक्षक, आप अभी से शुरू करें! आप एक शिक्षक के बजाय एक अनुशिक्षक (कोच) बनें, और यह आपको अपनी कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी के विषय में गहराई से ध्यान देने और उनके चैंपियन बनने के संघर्ष की प्रगति में उनकी मदद करने के लिए प्रेरित करेगा। हम इस वर्ष आत्मा के फल के विषय में पढ़ेंगे। हालांकि, हम केवल फल को ही नहीं देखेंगे, लेकिन हमारी देह के उन सभी पापों को भी देखेंगे जो कि आत्मा के फल के विरोध में लड़ते रहते हैं। आपका लक्ष्य है कि आप अपने विद्यार्थियों को चैंपियन बनने में मदद करें। ऐसा करने के लिए, उन्हें न केवल अपने याद करने की आयत को और बाइबल कहानियों को सीखना होगा, बल्कि उन्हें आत्मा के फल को अपने दैनिक जीवन में भी अमल करने की आवश्यकता होगी। बॉक्सिंग या मुक्केबाजी के विषय का उपयोग करते हुए, जब आपके विद्यार्थी आपके संडे स्कूल की कक्षा में होंगे, तब हम ऐसी कल्पना करें कि वे किसी प्रशिक्षण में हैं। वे परिश्रम कर रहे हैं, और परमेश्वर के बारे में और पाप के विरूद्ध लड़ाई के विषय में अधिक सीख रहे हैं। इसलिए आपकी कलीसिया उनके लिए प्रशिक्षण स्थल है। जब आपके विद्यार्थी इस संसार में होते हैं, तब वास्तव में वे सभी ''एक बॉक्सिंग रिंग'' के अंदर होते हैं! यहीं पर वे वास्तव में अपने स्वयं के पापमय इच्छाओं के विरूद्ध संघर्ष करते हैं। उनका घर और स्कूल, इसलिए, वास्तव में उनके प्रतियोगी होते हैं और मुक्केबाजी का मैच होता है। ऐसा इसलिए होता है कि कलीसिया में, हम सब दिखावा करने में निपुण होते हैं और सही जवाब भी देते हैं। कृपया कोई भी बच्चा यह कभी न सोचें कि कलीसिया में आयत याद करके या सीखके उसने वह मैच जीत लिया है। वह केवल प्रशिक्षण मात्र ही है। जबकि वास्तविक प्रतियोगिता उनके जीवन में ही है। वे यदि उस सप्ताह सिखाये गये पाठों को व्यवहारिक रूप से अपने जीवन में अमल करेंगे तो निश्चित रूप से वह मैच को जीत सकते हैं। एक अनुशिक्षक होने के नाते आपका अंतिम कार्य होना चाहिए कि आप उन्हें पुरस्कृत करें और विजय हासिल करने पर उन्हें उत्साहित करें। कुछ पुरस्कारों को तैयार करों जो कि आप उन्हें जीतने पर प्रदान कर सको। उन्हें अपने गले से लगाओ या हर ''पंच'', राउंड या मैच के जीतने पर एक विशेष आवाज़ के साथ उनका उत्साह बढ़ाएं। उनके अनुशिक्षक होने के नाते, जो व्यवहार आप प्रदान करोगे वही व्यवहार आपको भी प्राप्त होगा जबकि बच्चे आपको प्रसन्न करने का प्रयास करेंगे। हम आशा करते हैं कि एक अनुशिक्षक के रूप में अपने आप को तैयार पाकर आपको काफी अच्छा लगेगा, जहां पर आप अपनी कक्षा को एक खेल प्रशिक्षण केंद्र में सजा पाओगे, और कुछ मजेदार पुरस्कार प्रदान करने का समारोह भी कर पाओगे। आत्मा के फल के अनुसार जीने में सफलता ठीक वैसे ही मिलती है जैसे कि किसी खेल में मिलती है, और ठीक उनकी तरह जो दूसरों के मुकाबले कड़ी मेहनत करने के इच्छुक होते हैं। आप अपने विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करने और चैंपियन बनने के लिए उत्साहित कर सकते हो। आप केवल उन पर विश्वास रखें जब कोई दूसरा ऐसा नहीं कर पा रहा है, और परमेश्वर को उनके जीवन में चमत्कार करते हुए देख सकते हो!

हमारा प्रभु परमेश्वर आपको प्रेरित करें, जबकि आप अपने विद्यार्थियों को इस आत्मा के फल के विषय में अनुशिक्षित करने की चुनौती को स्वीकार करते हो। हम प्रार्थना करते हैं कि आप संडे स्कूल शिक्षकों की सीमाओं से बाहर निकलकर, अपने विद्यार्थियों के जीवन में एक वास्तविक कोच बन सको!

मसीह में,
बहन क्रिस्टीना

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

विषय सूची

परिचय - 1
क्रेडिट्स - 2
अवलोकन - 3
इस सामग्री का उपयोग कैसे करें - - - - - - - - - - - - - - 5

विश्वास
पाठ 1 - 9
पाठ 2 - 11
पाठ 3 - 13
पाठ 4 - 15
पाठ 5 - 17
पाठ 6 - 19
पाठ 7 - 21

नम्रता
पाठ 8 - 23
पाठ 9 - 25
पाठ 10 - 27

संयम
पाठ 11 - 29
पाठ 12 - 31
पाठ 13 - 33

बच्चें महत्वपूर्ण है

बच्चें महत्वपूर्ण हैं

www.ChildrenAreImportant.com

"Champions" – "बच्चें महत्वपूर्ण हैं" द्वारा सभी अधिकार सुरक्षित। हमारे सामग्री डाउनलोड, उपयोग, मुद्रण और अन्य चर्च और संगठनों मे वितरण के लिए मुफ्त है।

अधिक जानकारी के लिए हमसे संपर्क करें :
info@ChildrenAreImportant.com or
01-52-592-924-9041

सभी आयतें एनआईवी से और हिंदी बीएसआई से ली गई है।

पूरी टीम को धन्यवाद!
Chief Editor: Kristina Krauss
Creative Team: Dwight Krauss, Flor Boldo, Jennifer Sánchez Nieto, Julio Sánchez Nieto, Mike Kangas, Monserrat Duran Díaz, Rubén Darío, Suki Kangas, and Vickie Kangas.
Translation Team: Ali Atuha, Aline Xavier, Annupama Wankhede, Aroma Publications, Blessie Jetender, Blessy Jacob, Carla Mayumi, David Raju, Ephraim Njuguna Mirobi, Finny Jacob, Jacob Kuruvilla, Jetender Singh, Marcos Rocha, Mathew Das, Nassim Bougtaia, Paul Mwangi, Paul Septan, Rubina Rai, Sabrina Benny John, and Workogram (Helen).

यूनिट 3

चैंपियन्स

विश्वास

1 विश्वास बनाम मूर्त्तिपूजा

बाइबल की कहानीः संदूक कब्जे में लिया जाता है।
1 शमूएल 5:1–12, 6, 7:3

याद करने की आयतः
"तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी कि प्रतिमा बनाना, जो आकाश में, वा पृथ्वी पर, वा पृथ्वी के जल में है।" निर्गमन 20:4

2 विश्वास बनाम अस्वामिभक्ति

बाइबल की कहानीः शद्रक, मेशक और अबेदनगो
दानिय्येल 3:1–21

याद करने की आयतः
"हे यहोवा अपना मार्ग मुझे दिखा, तब मैं तेरे सत्य मार्ग पर चलूंगा, मुझ को एक चित्त कर कि मैं तेरे नाम का भय मानूं।"
भजन संहिता 86:11

3 विश्वास बनाम संकोच

बाइबल की कहानीः परमेश्वर शमूएल को बुलाता है
1 शमूएल 3:1–21

याद करने की आयतः
"अब विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है।" इब्रानियों 11:1

4 विश्वास बनाम आज्ञा न मानना

बाइबल की कहानीः कनान में भेदिये
गिनती 13:1–3, 17–33, 14:1–11

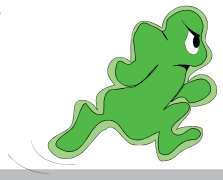

याद करने की आयतः
"तब मूसा ने कहा, तुम यहोवा की आज्ञा का उल्लंघन क्यों करते हो? यह सुफल न होगा।" गिनती 14:41

5 विश्वास बनाम रोके रहना

बाइबल की कहानीः अब्राहम और इसहाक
उत्पत्ति 22:1–18

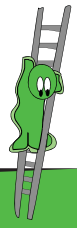

याद करने की आयतः
"और विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है, क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए, कि वह है; और अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है।" इब्रानियों 11:6

यूनिट 3: आत्मा का फल

''पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, और कृपा, भलाई, **विश्वास, नम्रता, और संयम हैं**; ऐसे ऐसे कामों के विरोध में कोई व्यवस्था नहीं।'' गलातियों 5:22–23

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

नम्रता

संयम

6 विश्वास बनाम अविश्वसनीयता

बाइबल की कहानी: नूह और उसका जहाज

उत्पत्ति 5:32, 6:1–22, 7:1–12

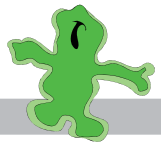

याद करने की आयत:

"बरन कोई कह सकता है कि तुझे विश्वास है, और मैं कर्म करता हूं: तू अपना विश्वास मुझे कर्म बिना तो दिखा; और मैं अपना विश्वास अपने कर्मों के द्वारा तुझे दिखाऊंगा।" याकूब 2:18

7 विश्वास बनाम संदेह

बाइबल की कहानी: यीशु थोमा के सामने प्रकट होता है

यूहन्ना 20:24-31

याद करने की आयत:

"यीशु ने उस से कहा, तू ने तो मुझे देखकर विश्वास किया है, धन्य हैं वे जिन्हों ने बिना देखे विश्वास किया।" यूहन्ना 20:29

8 नम्रता बनाम कलह

बाइबल की कहानी: अब्राहम और लूत अलग होते हैं

उत्पत्ति 13:1–18

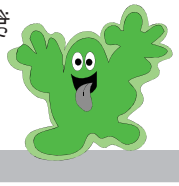

याद करने की आयत:

"अर्थात् सारी दीनता और नम्रता सहित, और धीरज धरकर प्रेम से एक दूसरे को सह लो।" इफिसियों 4:2

9 नम्रता बनाम परंपरा

बाइबल की कहानी: शुद्ध और अशुद्ध

मत्ती 15:1–20

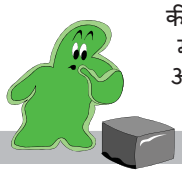

याद करने की आयत:

"तुम न यहूदियों, न यूनानियों, और न परमेश्वर की कलीसिया के लिये ठोकर का कारण बनो। जैसा मैं भी सब बातों में सब को प्रसन्न रखता हूं, और अपना नहीं, परन्तु बहुतों का लाभ ढूंढ़ता हूं, कि वे उद्धार पाएं।" 1 कुरिन्थियों 10:32–33

10 नम्रता बनाम कड़ुवाहट

बाइबल की कहानी: कैन और हाबिल

उत्पत्ति 4:1–16

याद करने की आयत:

"सब प्रकार की कड़वाहट और प्रकोप और क्रोध, और कलह, और निन्दा सब बैरभाव समेत तुम से दूर की जाए।" इफिसियों 4:31

11 संयम बनाम परीक्षाएं

बाइबल की कहानी: यीशु की परीक्षा होती है

मत्ती 4:1–11

याद करने की आयत:

"तुम किसी ऐसी परीक्षा में नहीं पड़े, जो मनुष्य के सहने से बाहर है: और परमेश्वर सच्चा है: वह तुम्हें सामर्थ से बाहर परीक्षा में न पड़ने देगा, बरन परीक्षा के साथ निकास भी करेगा; कि तुम सह सको।" 1 कुरिन्थियों 10:13

12 संयम बनाम झूठ बोलना

बाइबल की कहानी: याकूब एसाव की आशीषों को चुराता है

उत्पत्ति 27:1–36

याद करने की आयत:

"जिस ने किसी को झूठी बातों से घायल किया हो वह उस से बैर रखता है, और चिकनी चुपड़ी बात बोलनेवाला विनाश का कारण होता है।" नीतिवचन 26:28

13 संयम बनाम आलस्य

बाइबल की कहानी: बुद्धिमान और मूर्ख कारीगर

मत्ती 7:24–27

याद करने की आयत:

"इसलिये जो कोई भलाई करना जानता है और नहीं करता, उसके लिये यह पाप है।" याकूब 4:17

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

इस सामग्री का उपयोग कैसे करें

संगीत

अपनी कक्षा का आरंभ नए गीतों को गाते हुए और सभी जन उन गानों के अनुसार एक्शन करते हुए करें। गानों को हमारे वेबसाइट से डाउनलोड़ करें, और वीडियों में दिखाए गये एक्शन या कोरियोग्राफी के अनुसार मुद्राएं सीखें।

मुख्य पाठ

पाठ का परिचय देने के बाद, आप बाइबल कहानी की ओर बढ़ें। कृपया बाइबल की आयतों को देखें ताकि पूरी बाइबल कहानी को समझ सके, क्योंकि इसे पूरी तरह से इस पुस्तिका में छापा नहीं गया है। बाइबल कहानी को सीखने के बाद, इस बात का यकीन कर लें कि आप मुख्य पाठ को जीवन में अमलीकरण के साथ जोड़ सकें। पाठ के अंत में, याद करने की आयत को पढ़ें और अपने विद्यार्थियों के साथ प्रार्थना करें।

नाटक

हर हफ्ते एक मनोरंजक नाटक को प्रस्तुत करें, जिसमें दो अभिनेता होंगे जो दो अलग व्यक्तित्वों को प्रस्तुत करेंगेः बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी। (आप चाहे तो उनका नाम बदल भी सकते हो)। पाठ की समीक्षा करें, और नाटक के विचार को व्यक्त करते हुए पाठ के अमलीकरण के साथ मिलाएं और बच्चों की आंखों को खोलें और उन्हें स्वयं बाइबल की कहानी को देखने में मदद करें। उन दोनों अभिनेताओं को हर हफ्ते इस्तेमाल करने से उस नाटक को जीवन के साथ बेहतर तरीके से जोड़ सकते हैं, और उस साल को मनोरंजक बना सकते हैं जब वे उन बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी के चरित्र को अधिक जानेंगे। उनके लिए ऐसे वस्त्र बनाओ जिसे आसानी से चर्च में छोड़ा जा सके और जल्दी से पहना जा सके। (जैसे कि एक टोपी या एक चश्मा आदि)

छात्र पुस्तकें

छात्र पुस्तकें या हर पाठ के पन्ने की फोटोकॉपी लेकर हर विद्यार्थी को दें। जिन विद्यार्थियों को पहेली बुझाने में कठिनाई हो रही है उनकी मदद करो, क्योंकि संडे स्कूल किताबें मुश्किल नहीं होनी चाहिए, बल्कि मजेदार होनी चाहिए। आप बच्चों को अपने पन्नों पर चीजों को चिपकाने के लिए भी दे सकते हो। छोटे बच्चों के लिए, रंगीन पन्ने पर सजाने के लिए सजावट की चीज़ें दे सकते हो, जैसे चावल के दाने, रूई के गेंद, नूडल, या रंगीन पैंसिल। बड़े बच्चों के लिए, उनकी किताबें डायरी की तरह हो सकती है, जिस पर टिकट, सिक्के, बुकमार्क या कुछ अन्य चीज़ रख सकते हैं जो उन्हें उनके गृहकार्य की याद दिलाएगी।

गृहकार्य (रिंग के अंदर)

पिछले हफ्ते के गृहकार्य पर चर्चा करें, और अपने विद्यार्थियों को अगले हफ्ते का गृहकार्य दें। वे सब छात्र पुस्तकों और मैच कार्डों में दिए गये हैं। अपने छात्रों को याद दिलायें कि जो अपने गृहकार्यों को करते हैं केवल वे ही चैंपियन बन सकते हैं। हममें से कोई भी केवल चर्च जाके या बाइबल की आयतों को याद करके चैंपियन नहीं बन सकता, लेकिन इसके अनुसार जीके कर सकते हैं! हम सिफारिश करते हैं कि छोटे समूह बनाये जाएं जिसमें कोच विद्यार्थियों के गृहकार्यों पर नज़र रखकर उनकी मदद कर सके। (अधिक जानकारी के लिए छोटे समूह भाग में देखें)

हफ्ते के दौरान एक ही बार उन गृहकार्यों को करने से कोई भी उस पाप को ''नॉकआउट'' नहीं कर सकता, जैसे कि केवल एक पंच से कोई भी अपने विरोधी को बॉक्सिंग में हरा नहीं सकता। इस सिद्धांत का इस्तेमाल करते हुए विद्यार्थियों को यह दिखाने में मदद मिलेगी कि यदि वे वास्तव में एक चैंपियन बनना चाहते हैं, तो उन्हें हफ्ते के दौरान और भी ''पंच मारने'' होंगे। आपके अनुशिक्षकों को इस बात पर नज़र रखने को कहो कि उस हफ्ते के दौरान उन्होंने कितने ''पंच'' प्राप्त किए और प्रतियोगिता को प्रोत्साहित करते रहो। हर ''पंच'' एक वह मौका होता है जहां पर उन्होंने उस हफ्ते के दौरान गृहकार्य किया। उन ''पंचों'' को ज्यादा मजेदार बनाने के लिए, इन चार तरीके के ''पंच'' का इस्तेमाल करोः जॉब, हुक, क्रोस और अपरकट।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

कार्यक्रम अनुसूची

1. संगीत
2. नाटक

30 मिनट

3. मुख्य पाठ
4. छात्र पुस्तकें

30 मिनट

5. गृहकार्य
6. आयत याद करने के खेल

30 मिनट

7. सवाल और जवाब
8. उपस्थिति रिवार्ड कार्ड

30 मिनट

याद करने की आयत का खेल

इस कार्यक्रम के सारे खेल उस हफ्ते के याद करने की आयत को सीखने के अनुसार बनाए गये हैं। दिए गये खेलों का इस्तेमाल करो, या आपके विद्यार्थियों को हर हफ्ते उनका पसंदीदा खेल चुनने की अनुमति दो। समय से पहले उस खेल के लिए आवश्यक सामग्रियों को तैयार कर लो।

प्रश्नोत्तर (बड़े विद्यार्थियों के लिए)

हर पाठ में तीन प्रश्न दिए गये हैं ताकि आप अपने विद्यार्थियों के साथ चर्चा कर सकें। वे प्रश्न खासकर किशोरों के लिए हैं (उम्र 13–15 के लिए), लेकिन आप उन्हें अन्य उम्र के बच्चों के साथ भी बांट सकते हो और उनके विचार जान सकते हो। विचार यह है कि आपके विद्यार्थी इन विषयों पर सोचें। इसे फायदेमंद बनाने के लिए, यह काफी महत्वपूर्ण है कि आप शीघ्र ही इन प्रश्नों का उत्तर न दें। जितना ज्यादा वे उस विषय पर संघर्ष करेंगे, उतना ज्यादा वे उस विषय पर सोचेंगे, और आप भी एक शिक्षक होने के नाते बेहतर कर सकोगे। अगर वे किसी विषय पर वास्तविक मौकिक विवाद करने लगे, तो समझिए कि आप अच्छा कर रहे हैं! यदि आपके विद्यार्थी किसी विवाद में जल्दी से शांत हो जाते हैं, तो अन्य तरफ के बच्चों को शामिल करो और उन्हें सोचने और बोलने दो।

उपस्थिति रिवार्ड कार्ड

उपस्थिति रिवार्ड सबको बांटें, एक ऐसा कार्ड जिसमें उस हफ्ते के मैच का विवरण हो। अपने विद्यार्थियों को पूरे साल उपस्थित रहने के लिए प्रोत्साहित करो, और सभी कार्डों को इकट्ठा करो! ये कार्ड काफी कम खर्चे पर डाउनलोड और प्रिंट करने के लिए उपलब्ध है। आप इन कार्डों का इस्तेमाल हर गृहकार्य को एक पाप के साथ मिलाकर एक यादाश्त खेल के लिए भी कर सकते हो।

रिंग के अंदर

किसी एक ऐसी क्रिया को चुनें जिसमें आपके द्वारा भाग लेना शामिल न हो क्योंकि इसमें मूर्तिपूजा निहित हो सकती है। इसमें एक ऐसा रिवाज हो सकता है जैसे जूते को निकालना, एक ऐसा जुलूस जिसमें आप भाग नहीं लेते, एक खेल जिसमें आप उपस्थित नहीं होते, और उस समय फूलों को न खरीदना जब अन्य सभी लोग फूलों को खरीद रहे होते हैं।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

कोच / अनुषिक्षक

छोटे समूह

3–7 बच्चों की छोटे समूह बनाओं। हर छोटे समूह में एक कोच की आवश्यकता होती है। कोच को हर हफ्ते कक्षा में शामिल होने की आवश्यकता नहीं होती लेकिन हर हफ्ते विद्यार्थियों या ''खिलाड़ियों'' के साथ एक बार अवश्य अंदर जाएं। अपने मुख्य अगुवों में से अन्य अनुशिक्षकों को संगठित करने और प्रेरित करने के लिए किसी एक को मुख्य कोच चुनें। अपनी कक्षा को छोटे समूहों में बांटों ताकि आपके विद्यार्थियों को आप वास्तव में उनके गृहकार्यों को करने में मदद कर सको। अधिकतर संडे स्कूल कार्यक्रम कलीसिया में होता है, और घर में जाकर करने के लिए कुछ नहीं होता। हालांकि, आपके विद्यार्थी अपने जीवन में से इनके बारे में सीखकर पाप को ''नॉकआउट'' नहीं कर सकते। उन्हें वास्तव में ''रिंग के अंदर'' आना होगा और वास्तविक पाप से लड़ना होगा जिनका सामना वे उस हफ्ते के दौरान करते हैं। वास्तव में, जब तक कोई उन पर निगरानी नहीं रखेगा, तो इसे करना लगभग असंभव है। कृपया उनके ''शब्दों पर विश्वास'' न करें और न ही स्वीकारें जब विद्यार्थी आपसे कहते हैं कि उन्होंने गृहकार्य कर लिया है। अगर आप इस कार्यक्रम के प्रति गंभीर नहीं रहेंगे, तो आप अपने विद्यार्थियों को झूठ बोलने का प्रशिक्षण दे रहे हो। जबकि, जरा मेरे साथ कल्पना कीजिए कि अगर आप वाकई में अपने विद्यार्थियों को अनुशिक्षित कर सकते हो, और साथ ही इस बात पर भी नज़र रखते हो कि वे अपना गृहकार्य कर रहे हैं, तो आप उनके जीवन में सच्चे परिवर्तन को देख सकते हो। केवल एक साल में ही, आप उनका जीवन पूरी तरह से बदल सकते हो! आपके विद्यार्थी आत्मा के फल को याद नहीं कर रहे होंगे, बल्कि वास्तव में उसे जीना सीख रहे होंगे! इन छोटे समूहों को सिखाने के लिए, हमने आपके अनुशिक्षकों के लिए पत्रियां और आपके मुख्य कोच के लिए एक पुस्तक तैयार की है। कोच की पत्रियां हर महीने के लिए है और साथ ही हर आत्मा के फल के लिए भी। मुख्य कोच के लिए एक छोटी पुस्तिका है जिसमें पूरे तीन महीनें की ईकाई के गृहकार्य भी दिए गये हैं।

अनुशिक्षकों की जिम्मेदारियां:

कोच:

- 3–5 बच्चों को अनुशिक्षित करें।
- हर हफ्ते कक्षा के पहले और बाद में पांच मिनट के लिए विद्यार्थियों से मिलें और गृहकार्य पर चर्चा करें और चैंपियन बनने के लिए उन्हें उत्साहित करते रहें।
- हफ्ते के दौरान विद्यार्थियों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य की याद दिलाएं। (सुझावित दिनः मंगलवार)
- हफ्ते के दौरान दूसरी बार विद्यार्थियों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य पूरे होने के विषय में रिपोर्ट मांगे। (सुझावित दिनः शुक्रवार)
- छोटे समूहों में बच्चों के गृहकार्य पूरे होने पर नज़र रखें और हर हफ्ते मुख्य कोच को रिपोर्ट करें।

मुख्य कोच:

- हर हफ्ते कक्षा के पहले और बाद में अनुशिक्षकों से पांच मिनट के लिए मिलें और गृहकार्य पर चर्चा करें और उनके विद्यार्थियों को विश्वासयोग्यता के साथ कोचिंग देने के लिए उन्हें उत्साहित करें।
- हफ्ते के दौरान अनुशिक्षकों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य की याद दिलाएं। (सुझावित दिनः मंगलवार)
- हफ्ते के दौरान दूसरी बार अनुशिक्षकों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य पूरे होने के विषय में रिपोर्ट मांगें। (सुझावित दिनः शुक्रवार)
- सभी विद्यार्थियों के गृहकार्य पूरे होने पर निगरानी रखें।
- अनुशिक्षकों और उनके परिवारों के लिए महीनें में प्रेरक मीटिंगों को आयोजित करें।

नियुक्तिः

ज्यादा अगुवों को नियुक्त करना चुनौतीपूर्ण लग सकता है ताकि आपके छोटे समूहों के लिए पर्याप्त अनुशिक्षक हो। हालांकि, यह इतना मुश्किल भी नहीं है। यहां पर कुछ आसान सुझाव दिए गये हैं जिनसे आपको अनुशिक्षकों को खोजने में मदद मिलेगीः

- अनुशिक्षकों से कहो कि उन्हें केवल एक महीनें के लिए ही सेवकाई करनी है। हर महीना आत्मा के एक फल को पूरा करता है। जब वयस्कों से उनके समर्पण के बारे में पूछा जाएगा, और यदि आप केवल एक महीनें के लिए ही पूछते हो, तो अधिकतर लोग इस सेवकाई के लिए तैयार हो जाएंगे। पहले महीनें के दौरान, अगर आप इसे सरल और मनोरंजक बनाते हो, तो वे आगे और जारी रखने के लिए तैयार रहेंगे!
- अनुशिक्षकों को कलीसिया में सामान्य रूप से ही उपस्थित रहने दो, लेकिन 10 मिनट पहले आकर अपने विद्यार्थियों से मिलने के लिए कहो। आपके कोच आपके संडे स्कूल कक्षा में महीने में केवल एक ही बार उपस्थित होंगे, और अन्य हफ्तों में सामान्य रूप से कलीसिया

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

में अन्य वयस्कों के साथ उपस्थित हो सकते हैं।

• विद्यार्थियों को फोन पर बुलाने से अच्छा है कि आप उन्हें संदेश भेजें। अपने अनुशिक्षकों के मोबाइल में पूरे महीने के लिए ऑटोमेटिक संदेश भेजने में मदद करें, ताकि वे आसानी से अपने विद्यार्थियों के साथ संपर्क में रहें। इस बात का ध्यान रखें कि पारंपरिक बुलाने के तरीके के अलावा आप नए तरीकें जैसे कि फेसबुक, ट्विटर, वाट्सअप आदि का उपयोग भी कर सकते हो।

• अपनी कलीसिया में अनुशिक्षकों के कुछ सामान रखने के लिए एक स्थान तैयार करें। एक ''कोच'' दिखने के लिए आपके अनुशिक्षक, खेल के दौरान पहने जाने वाली टोपी, सींटी और वॉटर बोटल भी रख सकते हैं। हर सप्ताह इन चीज़ों को लेकर आने से बेहतर होगा कि इन्हें कलीसिया में ही कहीं रखने की अनुमति दी जाएं। इस तरह से आपके कोच चर्च के दौरान अपना सामान्य वस्त्र पहन सकते हैं, और बाद में कुछ खेल के सामान लेकर एक कोच की तरह दिख सकते हैं।

• हर महीनें आयोजित होने वाली अनुशिक्षकों की मीटिंग को अधिक प्रेरणादायक बनाएं, ताकि वे इसमें निरंतर साल के दौरान शामिल होना चाहे।

• अगर आवश्यकता हो तो बड़े समूहों की अनुमति दें। फेसबुक पर सामूहिक सूचना की मदद से किसी के लिए 10 बच्चों को अनुशिक्षित करना कठिन बात नहीं है।

प्रेरणादायक सभाएं:

मुख्य अनुशिक्षक का कार्य यह है कि वह अन्य अनुशिक्षकों को उत्साहित बनाए रखें। इसे करने का एक महत्वपूर्ण तरीका यह है कि आप हर महीने एक प्रेरणादायक सभा का आयोजन करें। आप किसी एक समय मिलकर भोजन कर सकते हो, साथ में प्रार्थना कर सकते हो, खेल के विषय जानकारी इकट्ठी कर सकते हो और देखो कि आप इसे अपने मसीही जीवन में कैसे लागू कर सकते हो। इसके साथ ही, आप ऑलंपिक खिलाड़ी के बारे में बात कर सकते हो या मिलकर कोई प्रेरणादायक खेल मूवी पॉपकार्न या अन्य स्वादिष्ट व्यंजन का मजा लेते हुए देख सकते हो। अपने अनुशिक्षकों के साथ इस विचार को बांटें कि अगर एक खिलाड़ी को जीतने के लिए इतनी मेहनत करनी पड़ती है तो यह हमारे लिए भी काफी महत्वपूर्ण होता है कि आत्मिक और अनंत बातों के लिए हम अधिक परिश्रम करें।

पुरस्कार वितरण समारोह

कोच होने के नाते एक महत्वपूर्ण भाग यह है कि आप अपने विद्यार्थियों को एक विजेता बनने का एहसास दिलायें। इसका अर्थ यह है कि आप उन्हें व्यक्त करें कि आप कैसा व्यवहार चाहते हैं, और उस व्यवहार को पुरस्कृत करें। हम सिफारिश करते हैं कि आप विद्यार्थियों को पुरस्कृत करें जब वे अपना गृहकार्य करते हैं, जहां हफ्ते के दौरान वे पाठ को अपने कर्मों में अमल करते हैं। उपस्थिति और याद करना उनका ''प्रशिक्षण'' है और हफ्ते के दौरान अपने गृहकार्य को करना वास्तव में उनकी प्रतियोगिता है। अपने विद्यार्थियों को उत्साहित करें कि अगर वे जीतना चाहते हैं तो प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। जबकि, वास्तविक संसार की प्रतियोगिता में ही वे असली विजेता बनते हैं।

एक विचार यह हो सकता है कि हर महीनें के अंत में एक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाए, जब आप आत्मा के हर फल को पूरा पढ़ा चुके होते हो। उदाहरण के लिए, विश्वास में 7 हफ्ते का अध्ययन है। जिन्होंने भी कम से कम 3 हफ्ते तक अपने गृहकार्य पूरे किए हो वे कास्य पदक जीत सकते हैं, 3 हफ्ते के लिए चांदी और जिन्होंने पूरे पांच हफ्ते अपने गृहकार्य किए हो उन्हें स्वर्ण पदक दिया जा सकता है। पहले महीनें के बाद आप आगे इसमें अपनी सुविधानुसार परिवर्तन ला सकते हो, क्योंकि कुछ गांव और शहर दूसरों के मुकाबले अधिक चनौतीपूर्ण होते हैं। कुछ इलाके अधिक सुसमाचार के लिए अनुरूप होंगे, और आपको आसान गृहकार्य देने की आवश्यकता होगी ताकि वे उत्साही बने रहें और आपकी कक्षा के साथ लगातार बने रहें।

साल के आखिर में, उनके लिए बड़े पुरस्कार की घोषणा करें जिन्होंने पूरे साल भर कई पुरस्कार जीते हो। यह कोई ट्रोफी या उपयोगी सामान हो सकता है। उन पुरस्कारों को कलीसिया के मंच पर समस्त लोगों के सामने उन विद्यार्थियों को देकर आप इसे और अधिक विशेष बना सकते हो!

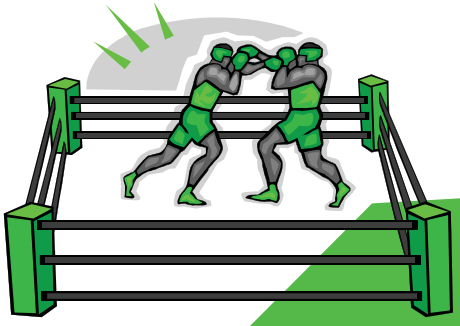

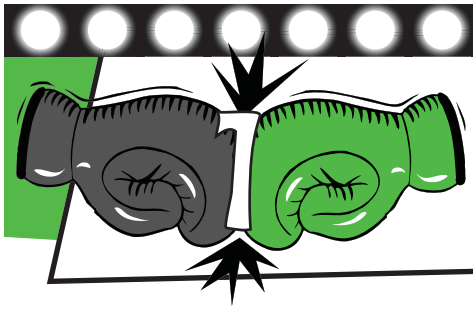

विश्वास बनाम मूर्त्तिपूजा

बाइबल की कहानीः संदूक कब्जे में लिया जाता है।

1 शमूएल 5:1–12, 6, 7:3

नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी दोनों फुटबॉल खेल रहे हैं और फ्रेडी एक गोल अर्जित करता है। वह इतना ज्यादा रोमांचित हो उठता है कि वह अपने टेनिस के जूते और जुराब को उतार डालता है। वह उन्हें चूमता है और कहता है, ''धन्यवाद, लक्की जुराब! तुम्हारे बिना मैं यह गोल नहीं कर सकता था!!

> याद करने की आयतः
>
> **"तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी कि प्रतिमा बनाना, जो आकाश में, वा पृथ्वी पर, वा पृथ्वी के जल में है।"**
>
> निर्गमन 20:4

यह कितना महत्वपूर्ण है कि हम उसे

मुख्य पाठ

''आत्मा के फल के द्वारा चैंपियन्स्'' के यूनिट 3 में आपका फिर से स्वागत है। इस विभाग को हम आत्मा के फल ''विश्वास'' या ''विश्वासयोग्यता'' के द्वारा शुरू करेंगे। गलातियों 5:22 में वर्णित इस शब्द के कई यूनानी अर्थ है, जिसमें आस्था, विश्वास, भरोसा, आत्मविश्वास, स्वामी–भक्ति और वफादारी आदि शामिल हैं। पवित्रशास्त्र के कुछ अनुवादों में इसे ''विश्वास'' और कुछ में इसका उपयोग ''विश्वासयोग्यता'' के रूप में किया गया है। जैसे मैंने अध्ययन किया, मैंने पाया कि ''विश्वासयोग्यता'' शब्द का पवित्रशास्त्र में व्यापक रूप से इस्तेमाल किया गया है और अधिकतम उपयोग हमारी परमेश्वर के प्रति ''निष्ठा या वफादारी'' के रूप में किया गया है। क्योंकि विश्वास एक बहुत ही बड़ा विषय है, इसलिए हम इस पर 7 सप्ताह व्यतीत करेंगे, और चूंकि पवित्रशास्त्र ''विश्वास योग्यता'' को बहुत ही तीव्रता से आवृत करता है इसलिए हम इस विषय में 5 सप्ताह व्यतीत करेंगे। आज का मैच–संघर्ष विश्वास और मूर्तिपूजा के बीच है, सर्वप्रथम, और सम्भवतः सबसे अधिक आवश्यक हमला परमेश्वर के प्रति हमारे विश्वास और विश्वास योग्यता पर होगी। दस आज्ञाएं (निर्गमन 20:1–6) इन दो आज्ञाओं से आरंभ होती हैः

1. तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।
2. तू अपने लिए कोई मूर्ति खोदकर न बनाना। तू उनको दण्डवत् न करना और न उनकी उपासना करना।

आयत 6 के अन्त में, परमेश्वर वर्णन करता है कि वह जलन रखने वाला परमेश्वर है और उसके लिये प्रेम करें और उसकी आज्ञाओं को मानें। आज की पवित्रशास्त्र की कहानी में, पलिश्तियों ने वाचा का संदूक चुरा लिया था, और उन्होंने उसे अपनी दागोन की मूर्ति के साथ एक ओर रख दिया था। सुबह के समय, उन्होंने पाया कि उनकी मूर्ति मुँह के बल सीधी गिरी पड़ी हुई थी! उन्होंने दोबारा अपनी मूर्ति को वापस सही करके रख दिया, परन्तु अगली सुबह, वह फिर से गिरी पड़ी थी, उसका सिर और बाजू टूट गये थे! परमेश्वर ने वहां के लोगों को भी फोड़ों और चूहों से दण्डित किया। *(कृपया कहानी के बारे में और अधिक पवित्रशास्त्र में देखें।)*

विश्व में ऐसे बहुत से स्थान है जहॉ मूर्तियॉ बनाना सामान्य बात है। वे लकड़ी, पत्थर, और यहॉ तक कि कागज से भी बनाई जाती है। और उन्हें जुलूस, समारोहों, मोमबत्तियॉ, छुट्टी का समय और उत्सवों के रूप में आदर दिया जाता हैं। कुछ स्थानों की ऐसी मूर्तियां हैं जो पवित्रशास्त्र में पूरी तरह से निषिद्ध बताई गई है इसलिये यह स्पष्ट है कि हमें उनकी आराधना कभी नहीं करनी चाहिए। अन्य कुछ मूर्तियों को पवित्र शास्त्र से बनाई गयी है, यहॉ तक कि स्वयं यीशु की मूर्तियां भी, और इसलिए यह जानना अति कठिन हो जाता है कि क्या करें। परमेश्वर ने 10 आज्ञाओं में हमारे लिये यह स्पष्ट किया है कि वह हमसे नहीं चाहता कि हम **किसी भी तरह** की मूर्ति की आराधना करें।

विश्व में कुछ अन्य ऐसे स्थान भी हैं जहॉ मूर्तिया बनाना सामान्य नहीं है। इन देशों में हम अन्य छुपी हुई मूर्तियां अपने लिये बना लेते हैं; जैसे खेल, टेलीविजन, या प्रसिद्ध प्रचारक। किसी भी रूप में मूर्तिपूजा परमेश्वर के विरूद्ध पाप है। वह हमारे संपूर्ण हृदय की इच्छा रखता है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण जो मैं सोच सकती हूँ वह विवाह की वाचा है। आपके शहर, गॉव या नगर में यह कैसा दृश्य होगा यदि कोई दुल्हन अपने पति का अनादर करे और सब लोगों के देखते देखते अन्य पुरूष के साथ भाग जाये जिसे वह चाहती थी? इसका परिणाम बहुत ही भयानक होगा!

इसी प्रकार, अगर हम विभिन्न मूर्तियों के रूप में बहुत सारे देवताओं की आराधना करने में पड़े रहे तो हम ठीक उस दुल्हन की तरह है जो अपने पति का अनादर करती है। सर्वप्रथम और सबसे महत्वपूर्ण, हमारे मसीही सफर में, हमें यीशु के प्रति एक वफादार दुल्हन बनना चाहिए। इसका अर्थ है कोई मूर्ति नहीं, और सार्वजनिक रूप से उन बातों या चीजों में भाग लेने से मना करना जो परमेश्वर का अनादर करती है। यहॉ तक कि यदि हम स्वयं यीशु की मूर्ति की आराधना करते हैं, तो वह भी ठीक नहीं है। एक दुल्हन को अपने पति की मूर्ति की आराधना नहीं करनी चाहिए, परन्तु इसके विपरीत उसे अपने पति के साथ आनन्दित रहना चाहिए, उसकी संगति का आनन्द लेना और दूसरों के सम्मुख उसका आदर करना चाहिए। कुछ देशों में, मूर्तियों के जुलूस में भाग न लेना हमारे जीवनों के लिये खतरे का कारण बन सकता है! अन्य कुछ देशों में, विश्वासयोग्य बने रहना बड़ा ही आसान होता है, क्योंकि कोई भी मूर्तियों के बारे में नहीं सोचता। किसी भी तरीके से, परमेश्वर के लिये यह बहुत ही महत्वपूर्ण बात है और वह हमारे कर्म को देख सकता है। क्या आप परमेश्वर के लिये विश्वासयोग्य बने रहने के इस पहले कदम को उठाने में इच्छुक हो? क्या आप परमेश्वर के प्रति वफादार रहने का समर्पण करते हुए इस मूर्तिपूजा के पाप से लड़ सकते हो?

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

वि	इ	ब	मो	म	ब	त्ती	ह	त	मू	य	ठ	इ	ब	क
श	चा	क	द	स	उ	छ	ड	प	र्ति	ळ	सं	ळ	ढ	य
वा	ग	म	नि	क्र	ह्य	ट्ट	अ	फ	पू	फ	उ	दू	ल	प्र
सा	आ	ल	ह	र्भ	प	लि	श	ती	जा	म	प	ह	क	सि
लू	मा	ज्ञा	त	ज	र	प	र	स	व	ल	त	घ	म	द्धी
जू	ल	रो	यें	न	मे	ता	ख	आ	रा	ध	ना	द्य	ल	ग
भ	क्ति	त	ह	अ	श	ळ	फ	रू	ठ	त्र	ळ	ए	ढ	य
म	फ	ळ	ढ	स	व	प्र	घ	फ्र	प्र	क्र	दा	ग	ोन	फ
य	ठ	छ	घ	ब	र	कृ	भ	घ	ज	ह	ज	न	ट	ळ

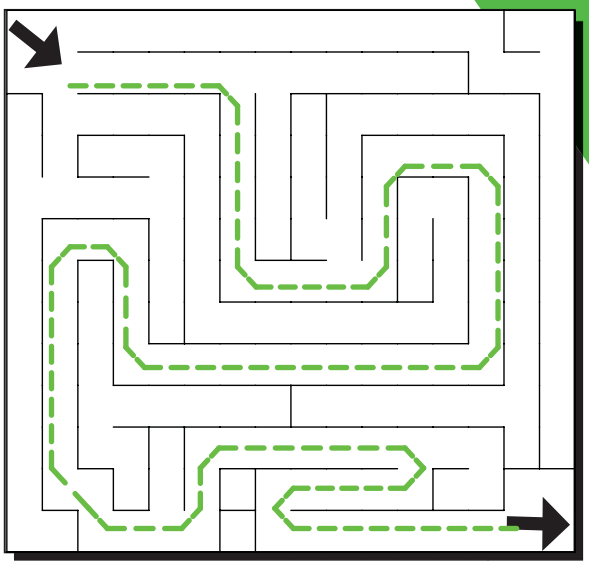

विश्वास
निर्भरता
भक्ति
मूर्तिपूजा
आराधना

परमेश्वर
पलिश्ती
संदूक
वाचा
दागोन

आज्ञायें
समारोह
जूलूस
मोमबत्ती
प्रसिद्धी

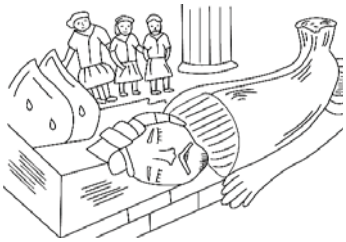

याद करने की आयतों का खेल

आयत बोलो अगर आपने...

वे बच्चे आयतों को बोलें जिन्होंने.... सुबह नाश्ता किया हो, रात को नहाया हो, जिनकी भूरी आंखें हो, जिन्हें चॉकलेट पसंद हो, जिन्होंने सुबह उठकर अपना बिस्तर ठीक किया हो, जिनकी कोई बहन हो, जिन्होंने लाल कपड़ा पहना हो, आदि। यह किसी एक आयत को याद कराने का आसान तरीका है जिसमें बच्चे उस आयत को बार बार दोहराते हैं और जल्दी ही उसे सीख लेते हैं।

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. अगर मेरे माता–पिता के पास घर में मूर्तिया हो तो मुझे क्या करना चाहिए? परमेश्वर हमारे कर्मों के लिये हमें ही उत्तरदायी ठहराता है, और वह जानता है कि हमारे माता–पिता हमारे अधिकार में नहीं है। इसलिये, हम मूर्तिपूजा न करने के लिये और मूर्तिपूजा से संबंधित किसी कार्यक्रम में भाग न लेने के लिये स्वयं उत्तरदायी है, परन्तु हम उन मूर्तियों के मुक्ति पाने के लिए उत्तरदायी नहीं है जो किसी अन्य की हैं। हालांकि, कभी कभी परमेश्वर हमें अपने माता–पिता का सामना करने की आज्ञा भी देता है, और यहॉ तक कि किसी मूर्ति को नष्ट करने की भी आज्ञा देता है। जबकि, कई मामलों में, वे दूसरी खरीद लेते हैं क्योंकि हम जबरदस्ती किसी का हृदय परिवर्तन नहीं कर सकते।

2. क्या आपके समुदाय में कोई व्यक्ति ऐसा व्यक्ति है जो इतना प्रसिद्ध हो कि लोग उसकी मूर्ति बनाए? अपने विद्यार्थियों को कुछ समय दें कि वे फिल्मों में से, आपकी कलीसिया के संप्रदाय में से, नेताओं, और समुदाय के धनी व्यक्तियों में से किसी पर चर्चा करें। चर्चा करें कि किस प्रकार वे भी केवल इंसान ही है।

3. मूर्तियों की आराधना के लिए आपके समुदाय या शहर में किस प्रकार के उत्सव मनाये जाते हैं? जब हम एक ऐसे समुदाय में पलते–बढ़ते हैं जिनमें मूर्तियो के लिए लगातार मनायें जाने वाले त्यौहार है, तो हम उनके प्रति अभ्यस्त हो सकते हैं, और हम यह नहीं जान पाते कि उनके साथ भाग लेना परमेश्वर के प्रति विश्वासघात है! चर्चा करें कि कौन से जुलूस, समारोह, मोमबत्तियों का पर्व, कर्म या उत्सव आपके शहर में पाये जाते हैं, और उनकी क्या मान्यताएं है।

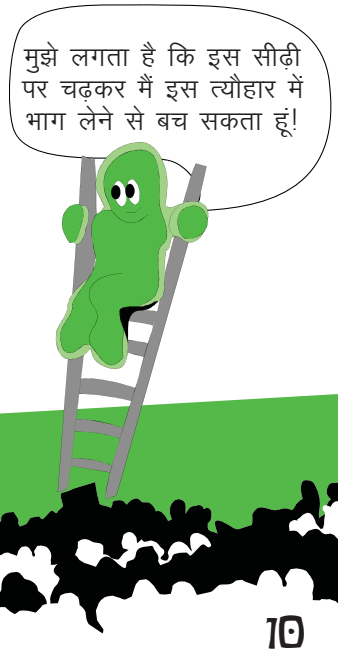

रिंग के अंदर

किसी एक ऐसी क्रिया को चुनें जिसमें आपके द्वारा भाग लेना **शामिल न हो** क्योंकि इसमें मूर्तिपूजा निहित हो सकती है। इसमें एक ऐसा रिवाज हो सकता है जैसे जूते को निकालना, एक ऐसा जुलूस जिसमें आप भाग नहीं लेते, एक खेल जिसमें आप उपस्थित नहीं होते, और उस समय फूलों को न खरीदना जब अन्य सभी लोग फूलों को खरीद रहे होते हैं।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

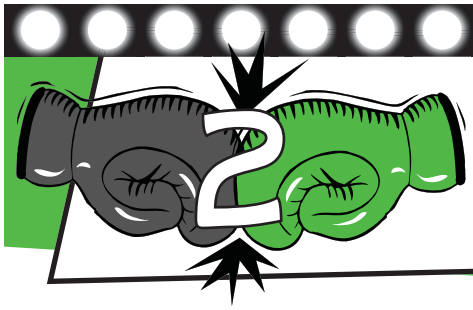

विश्वास बनाम अस्वामिभक्ति

बाइबल की कहानीः शद्रक, मेशक और अबेदनगो
दानिय्येल 3:1–21

नाटक

एक जन्मदिन के पार्टी में, बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी दोनों दूसरे दोस्तों के साथ हाथ मिलाते हुए गोल घेरा बनाकर एक खेल को खेल रहे थे। जब कोई कहता, ''तीन का घेरा, '' तब किन्हीं तीन बच्चों को मिलकर फिर से एक अन्य तीन का गोल घेरा बनाना होता है। तब कोई कहता, ''पांच का घेरा,'' तब वे फिर से पांच का घेरा बनाते हैं। हर बार जो लोग सही तरह का घेरा या समूह नहीं बना पाते वे खेल से बाहर हो जाते हैं। विक्की और फ्रेडी एक ही समूह में काफी समय से थे, लेकिन जब समूह छोटा होकर तीन का रह जाता है तब फ्रेडी अन्य समूह में चला जाता है और विक्की को बिना दोस्त का अकेला छोड़ देता है।

याद करने की आयतः

"हे यहोवा अपना मार्ग मुझे दिखा, तब मैं तेरे सत्य मार्ग पर चलूंगा, मुझ को एक चित्त कर कि मैं तेरे नाम का भय मानूं।"

भजन संहिता 86:11

मुख्य पाठ

इस सप्ताह हमारे मुक्केबाजी का मैच विश्वासयोग्यता और विश्वासघात के बीच होगा। परमेश्वर के लिए यह अति महत्वपूर्ण है कि हम उसके प्रति वफादार बने रहें और यह एक विश्वास योग्य मसीही बनने का सबसे बड़ा हिस्सा है। वफादारी को भरोसे के साथ काफी कुछ लेना देना है। जब हम अपने मित्रों के साथ स्कूल में वफादार रहते हैं, तो उसका अर्थ यह होता है कि वे हमें अपने राज बताने के लिये भरोसा कर सकते हैं, उनके लिये खड़े होने के लिए, सदा उनका साथ देने के लिये, चाहे वे उपस्थित हो या न हो। कठिनाईयॉ तब आती है जब हम किसी दबाव का सामना करते हैं। हम उस समय दबाव का सामना करते हैं, जब कोई हमें हमारे मनोभावों, मूल्यों या व्यवहारों को बदलने के लिये जोर लगाता है। उस समय परमेश्वर के लिये वफदार रहना बहुत ही कठिन हो जाता है जब हम स्कूल में या अपने पड़ोस में दूसरों के कारण दबाव का सामना करते हैं। वे हमसे यह भी अपेक्षा कर सकते हैं कि हम किसी के लिए निर्दयी बन जाये या वे यह भी चाह सकते हैं कि हम यह कहें कि हम उनके ईश्वर में विश्वास रखते हैं जबकि हम ऐसा नहीं करते।

परमेश्वर के प्रति वफादार रहने का अर्थ है कि वह हम पर भरोसा कर सकते हैं, हमारे चारों ओर जो दबाव रहता है उन सबके बावजूद। उसका अर्थ यह है कि किसी भी तरह की परिस्थिति के बावजूद हम केवल परमेश्वर के लिये हैं। जब हम परमेश्वर के प्रति वफादार होते हैं, तब स्कूल, खेल के मैदान या अपने आस पड़ोस में ऐसी कोई बात या वस्तु नहीं जो हमें परमेश्वर या यीशु का इंकार करा सके। आज की बाइबल कहानी में, हम शद्रक, मेशक और अबेदनगो को उस सोने की मूर्ति के सामने दंडवत करने के समय बड़े दबाव का सामना करते हुए देखते हैं जो राजा ने खड़ी करवाई थी। यह घोषणा की गई थी कि जो कोई उस मूर्ति को दण्ड़वत नहीं करेगा वह आग के भट्टे में डाल दिया जायेगा! उन्होंने अपने आस पास के सभी लोगों द्वारा अवश्य ही बहुत ज्यादा दबाव को अपने ऊपर महसूस किया होगा। लेकिन उन्होंने उस दबाव में न आने का निर्णय लिया चाहे इसका अर्थ निश्चित रूप से उनकी मृत्यु थी। उन तमाम चेतावनियों और अपने जीवन पर खतरा होने के बावजूद, उन्होंने परमेश्वर के लिए विश्वासयोग्य बने रहने का ही चुनाव किया। उन्होंने दण्डवत करने से इंकार कर दिया।

राजा और अधिक क्रोधित हुआ और उसने उन्हें आग के भटटे में फेंक दिया! वह भट्टा इतना गरम था कि जिन लोगों ने शद्रक, मेशक और अबेदनगो को पकड़कर आग के उस भटठे में डाला, वे ही इसकी गर्मी से झुलस कर मर गये। जब राजा ने देखा तो वह यह देखकर अत्याधिक अचंभित हुआ, हालांकि उसने केवल तीन व्यक्तियों को उस भट्टे में डाला था परन्तु अब वह चार लोगों को उस भटटे में जीवित चलते हुए देख रहा था! तब राजा ने यह आज्ञा दी कि उन्हें बाहर निकाला जाये, और जब वे बाहर आये, तब उनसे किसी भी प्रकार की आग में जलने की दुर्गन्ध नहीं आ रही थी। यह देखकर, राजा ने उनके परमेश्वर की स्तुति की जिसने उनकी आग से रक्षा की थी। कुछ देशों में, आज भी लोग मृत्यु का सामना करते हैं, जब वे सार्वजनिक रूप से सब लोगों के सामने मसीही होने का अंगीकार करते हैं। परन्तु वे लोग जो उन देशों में रहते हैं जिनमें किसी भी धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता है, उनके लिए भी आस पास के बड़े दबाव के कारण मसीही होने का सार्वजनिक अंगीकार करना काफी कठिन होता है। अगर हम विश्वासघात के विरूद्ध इस युद्ध जीतना चाहते हैं, तो हमें किसी भी कीमत पर परमेश्वर और हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रति विश्वासयोग्य बनने के लिए इच्छक होना होगा।

याद करने की आयतों का खेल

वाक्य बनाओ

अपनी कक्षा को दो या तीन समूहों में विभाजित करो, और हर समूह को अक्षरों से युक्त दाल या पास्ता का एक कप दो। बच्चों से कहें कि वे उन अक्षरों का इस्तेमाल करते हुए याद करने की आयत के शब्दों को बनाएं। जो समूह सबसे अधिक शब्दों को बनाता है, वह समूह विजयी होता है।

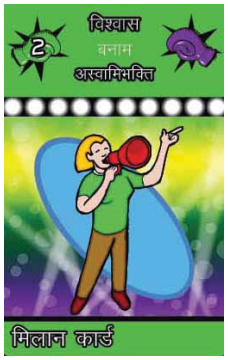

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

वि	प	त	ह	न	ज	श	द्र	क	छ	य	ढ	त्र
प्र	श	ठ	छ	रा	र	स	म	श	ज्ञ	ट	ब	स
क्र	ह	वा	फ	उ	जा	प	स	मे	फ	ळ	क	व
प	च	ळ	स	स	क	व	सा	म	ख	ठी	द	तं
न	द्य	न	ज	उ	स	रो	ज	अ	ट	ठ	ग	त्र
ल	अ	स	वा	मि	भ	कि	त	भ	फ	ळ	ल	ता
ज	त	ह	अ	अ	कि	फ	य	ड	द	ज	व	ठ
शु	मि	ग	ब	बे	श्र	ट	हि	स	घ	बा	म	ट
यी	ड	छ	य	ठ	द	य	सी	फ	भ	ह्य	व	त
ढ	ठ	स	छ	ड	ट	न	म	क्र	त्ति	कृ	द्र	च
त्र	ह	प	र	प	ड़ो	स	गो	ल	मू	प्र	प्र	अ
र	कृ	भ	ऊ	घ	प्र	क्र	क्त	प्र	द्र	न्न	ट्ट	त

विश्वास
अस्वामिभक्ति
मसीहियत
भरोसा
रहस्य
दबाव
पड़ोस
शद्रक
मेशक
अबेदनगो
मूर्त्ति
राजा
भट्ठी
यीशु
स्वतंत्रता

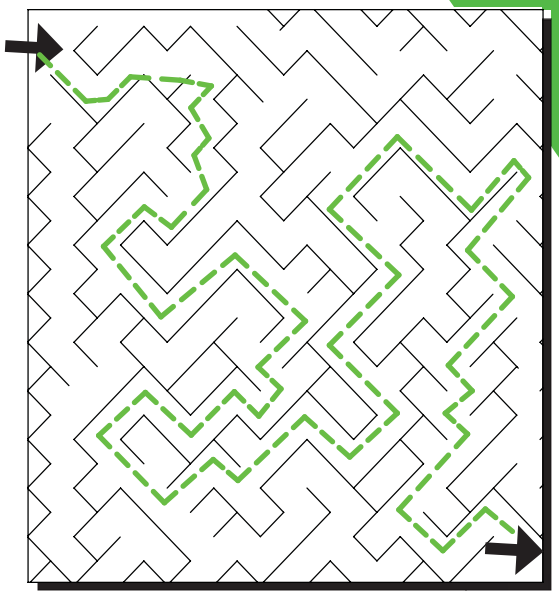

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

सवाल और जवाब

1. क्या आपने कभी अपने मित्र के व्यक्तित्व रहस्य को किसी अन्य को बताया है? क्या हुआ था? अपने विद्यार्थियों को उनकी कहानियों को आपस में बांटने का समय दें। कई मामलों में, जब हम अपने मित्र के प्रति विश्वासघात करते हैं, जब हम उनके रहस्यों को किसी अन्य को बताते हैं, तब हम उस मित्रता को खो देते हैं। वे आपके साथ बात करना बन्द कर देते हैं और स्कूल में आपके साथ चलना फिरना भी पसन्द नहीं करते। उदाहरण के लिए, कुछ मित्र आपको क्षमा कर देते हैं जब आप उनका विश्वासघात करते हैं परन्तु आपको उनका विश्वास जीतने के लिये भी विश्वासयोग्यता का कुछ सबूत देना पड़ता है।

2. जहां पर आप रहते हैं वहां पर ऐसे कौन से दबाव है जिसके कारण आपको यह छुपाना पड़ता है कि आप मसीही हो? अपने विद्यार्थियों को इस बात पर चर्चा करने के लिये समय दें। अपने जीवन में से ऐसी किसी सच्ची घटना या समाचार पत्र में से किसी मसीही के जीवन में एक कहानी को तैयार करें जो अपने मसीही विश्वास के लिये खड़ा रहा हो।

3. यदि आपका कोई मित्र उपस्थित न हो तो क्या हम उनका विश्वासघात कर सकते हैं, क्योंकि वह वहां पर उपस्थित नहीं है? इस बारे में चर्चा करें कि जब कोई हमारे पीठ पीछे हमें धोखा देता है तो वह कितना दुखदायी होता है। सच्ची वफादारी तब आती है जब हम उस समय अपने मित्र के प्रति वफादार रहते हैं जब वह उपस्थित हो या ना हो। परमेश्वर हमारे कर्मों को देख सकता है, इसलिए उससे कुछ बात छुपाकर या विश्वासघात करके कुछ लाभ मिलने वाला नहीं है। परन्तु अगर वह हमें न भी देख पाता, तब भी वह हमसे यही चाहता कि हम उसके प्रति कलीसिया, स्कूल, सड़क पर, घर में, या जहां पर भी हो, वहां विश्वासयोग्य बने रहें।

रिंग के अंदर

इस हफ्ते अपने स्कूल या अपने समुदाय में इस बात को सार्वजनिक रूप से अंगीकार करने के लिए कुछ समय निकालें कि आप एक मसीही है और आप प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास रखते हैं। इसके पश्चात्, इस बात में आनन्दित हों कि आप उन तमाम दबावों के बावजूद, एक छोटे समूह के साथ वफादार बने रहे।

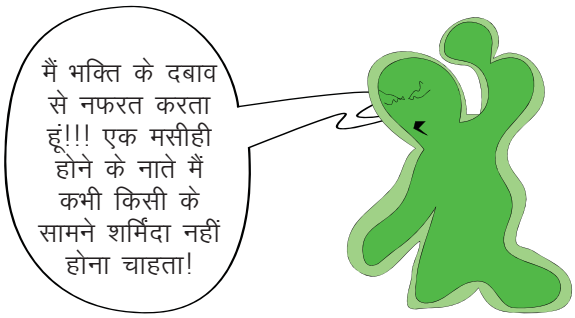

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

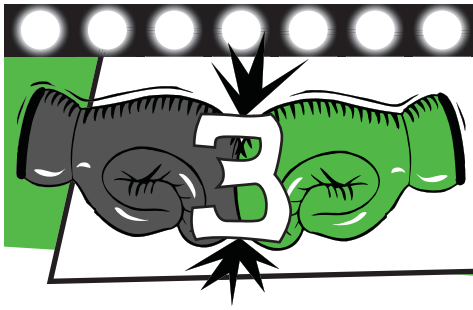

विश्वास बनाम संकोच

बाइबल की कहानीः परमेश्वर शमूएल को बुलाता है

1 शमूएल 3:1–21

नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी दोनों चिड़ियाघर में जाने के लिए तैयार और खुश थे। फ्रेडी नहीं जानता था कि उसे चिड़ियाघर में अपने पसंदीदा खिलौने या लंच को लेकर जाना चाहिए था कि नहीं। फ्रेडी अपने साथ अपने खिलौने को लेकर जाने का निर्णय करता है, और अंत में उसे इतनी भूख लगती है कि वह अपने खिलौने को ही खाने की कोशिश करता है।

याद करने की आयतः

"अब विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है।"

इब्रानियों 11:1

मुख्य पाठ

इस हफ्ते हमारा मैच विश्वास बनाम संकोच के बीच में हैं। यह काफी महत्वपूर्ण है कि हम परमेश्वर के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं, और यह एक विश्वासयोग्य मसीही होने का एक बड़ा हिस्सा है। परमेश्वर हमसे कई तरीके से बातें करता है, लेकिन कई बार, हम रूककर उसे सुनना नहीं चाहते। हम केवल थमकर इंतज़ार करने का चुनाव करते हैं। कई बार हम बिल्कुल भी जवाब नहीं देते, और यह आशा करते हैं कि परमेश्वर इसमें कोई ध्यान नहीं देगा। हम कैसे जान सकते हैं कि परमेश्वर हमसे बातें कर रहे हैं? क्या आपने कभी संदेह का सामना किया है कि वास्तव में परमेश्वर ने आपसे कभी कुछ करने को कह रहे थे?

आज की बाइबल कहानी एक जवान लड़के के बारे में हैं जिसे संदेह हुआ कि परमेश्वर उससे बातें कर रहा था। शमूएल एक जवान लड़का था जिसकी माता ने उसे परमेश्वर के लिए समर्पित कर दिया था। यद्यपि वह अभी बालक ही था, फिर भी वह परमेश्वर के मंदिर में रहता और परमेश्वर और याजक एली की सेवा करता था।

एक रात जब वे सोने जा रहे थे, तब शमूएल ने सुना कि कोई उसे बुला रहा है। उसे लगा कि यह याजक एली होगा, इसलिए वह उठा और याजक के पास गया। हालांकि, एली ने कहा, ''मैंने तुम्हें नहीं बुलाया। जाओ, जाकर सो जाओ।'' ऐसा दो बार और हुआ और एली ने शमूएल से कहा कि जाकर सो जाओ। हालांकि, हर बार उसे यकीन था कि किसी ने उसे बुलाया है! तीसरी बार, याजक एली ने समझ लिया कि यह अवश्य ही परमेश्वर होगा जो शमूएल को बुला रहा है। उसने शमूएल को निर्देश दिया कि जब परमेश्वर अब तुम्हें पुकारे तो कहना, ''हे प्रभु, कह, क्योंकि तेरा दास सुनता है।'' जब परमेश्वर ने शमूएल को फिर से पुकारा, तो इस बार वह तैयार था और परमेश्वर के प्रति उसने सही प्रतिक्रिया की! तब परमेश्वर ने शमूएल को एक विशेष वचन दिया, और एक नबी के रूप में उसका जीवन आरंभ हुआ, जबकि वह अभी बालक ही था। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपकी उम्र कितनी है, या अपने आप को कितना कमजोर समझते हो। परमेश्वर ऐसे लड़कों और लड़कियों को देखता है जो उसकी आवाज़ को सुनेंगे, और उसपर विश्वास करेंगे और आज्ञा मानेंगे। एक पाप जिससे हमारा संघर्ष होता है वह है संकोच करने का प्रलोभन, निर्णय न ले पाना या परमेश्वर के प्रति प्रतिक्रिया लेने के लिए इंतज़ार न करना। शमूएल के मामले में, उसने चौथी बार में जाकर सही प्रतिक्रिया की थी, लेकिन यह परमेश्वर के लिए ग्रहणयोग्य था। अगर आप इसके बारे में सोचोगे, तो पाएंगे कि शमूएल ने उसी रात परमेश्वर के सामने प्रतिक्रिया की।

हालांकि, क्या होगा अगर हम परमेश्वर हमें कुछ करने के लिए बुलाता है, लेकिन हम उसकी शाम को उसके प्रति प्रतिक्रिया नहीं करते? क्या होगा अगर हम एक हफ्ते बाद परमेश्वर के प्रति प्रतिक्रिया करेंगे? शायद परमेश्वर आपको स्कूल में ऐसे किसी को दिखाएगा जिसे मदद की जरूरत है। क्या आप संकोच करोगे, या जल्दी से प्रतिक्रिया करोगे? हमारी याद करने की आयत दिखाती है कि किसी ऐसे परमेश्वर पर अपना भरोसा रखना जिसे हम नहीं देखते, उसी का अर्थ विश्वास होता है। ऐसा विश्वास करना कि परमेश्वर ने हमसे बातें की हैं, जबकि हम उसे अपने कानों से सुन नही सकते, इसका भी अर्थ विश्वास होता है। अगर आपके और मेरे पास एक दृढ़ विश्वास होना है, जो कि हमारे लिए मैच जिता सकता है, तो हमें तब विश्वास करना चाहिए जब परमेश्वर हमसे बातें करता है। और अगर हम सचमुच में विश्वास करेंगे, तो हम बिना संकोच के कार्य कर सकते हैं।

याद करने की आयतों का खेल

म्यूजिकल बॉल खेल

पहले उस आयत को याद करें, कई बार दोहराते हुए या किसी खेल को खेलते हुए। फिर कोई धुन बजाएं और बच्चों को एक घेरे के बीच या अपनी कक्षा में एक गेंद को आगे बढ़ाते रहने को कहें (बच्चों से कह दें कि गेंद को न उछालें)। जब धुन बजनी रूक जाती है, तब जिस बच्चे के पास गेंद होती है उसे वह आयत बोलनी होती है या किसी दूसरे को उनके लिए आयत को बोलने के लिए कहा जा सकता है। इस खेल को तब तक जारी रखें जब तक कि हर बच्चे को उस आयत को बोलने का अवसर नहीं मिल जाता या सबकी बारी नहीं आती।

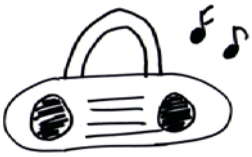

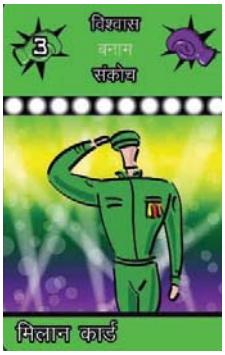

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

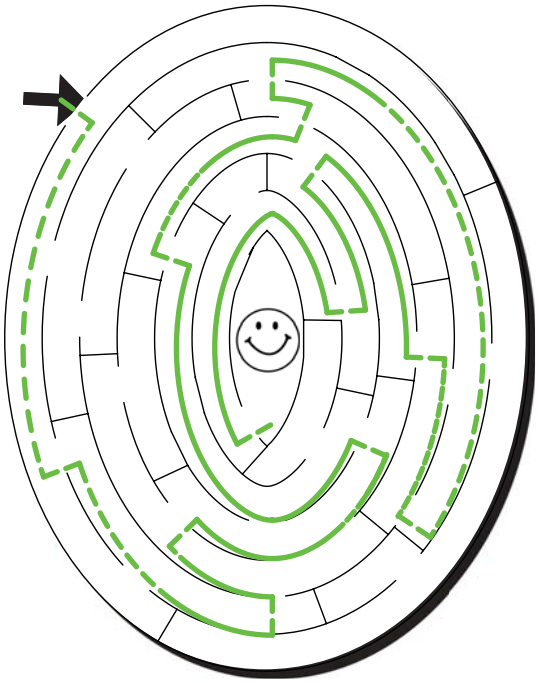

विश्वास
संकोच
बोलना
उत्तर
संदेह
जानना
शमूएल
एली
याजक
मंदिर
पाप
परीक्षा
महत्वपूर्ण
सुनना
प्रतिक्रिया
परमेश्वर
यकीन

वि	ज्ञ	स	पा	त	च	से	ग	ल	ख	ङ	अ
क्र	श	ठ	ळ	प	स	को	दे	ठ	य	ट	ज
क्त	ड	वा	प	री	ब	च	म	ह	त्व	पू	र्ण
कृ	छ	र	स	क्षा	बो	उ	द	व	फ	म	त
न	य	श	ट	छ	सु	ल	न	स	व	प्र	च
की	त्र	ड	मू	इ	जा	न	ना	ज	र	ति	द्य
य	ढ	र	ग	ए	भ	ल	ना	दि	ठ	क्रि	प्र
य	त्त	फ	ली	छ	ल	क	मं	ट	ळ	या	भ
उ	ज	स	अ	उ	द	ज	व	म	फ	ख	ङ
प	र	मे	श	व	र	या	ल	व	ळ	फ	ख

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. कब ''चुप रहने'' का अर्थ वास्तव में ''नही'' होता है? उदाहरण के लिए, अपनी मां से पूछना कि क्या आप पार्क में जाकर खेल सकते हो, और तब वह कहती है, ''अपना होमवर्क करो''। उसने आपसे ''न'' नहीं कहा, लेकिन उसने आपसे ''हां'' भी नहीं कहा है। या किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति को किसी निवेदन के साथ कोई पत्र लिखा हो, और आपको अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो उसका अर्थ ''न'' होता है। यदि परमेश्वर आपसे कुछ करने के लिए कहता है, और उसके लिए हमारे पास कोई जवाब नहीं होता, तो हम दरअसल परमेश्वर को ''न'' कह रहे हैं।

2. क्या परमेश्वर ने आपको कभी कुछ करने को कहा है? आप कैसे जानते हो कि यह परमेश्वर ही था? कई बार हममें यह भावना होती है कि जाकर किसी की मदद करें, या हमें किसी की ओर से कोई दबाव होता है, या किसी बात की याद बार बार आती है जिसे पूरा किया जाना चाहिए। परमेश्वर हमें याद दिला रहे हैं, क्योंकि जबकि हम भूलने का प्रयास करते हैं, फिर भी हम भुला नहीं पाते। कई बार हम रात को सपने में कुछ देखते हैं जिसे पूरा किया जाना चाहिए।

3. किस तरह से हम उन संदेहों पर विजय पा सकते हैं जो परमेश्वर किसी शहर, नौकरी या मित्रता में हमसे चाहता है? शमूएल को संदेह था कि वह परमेश्वर की आवाज़ सुन रहा था, लेकिन परमेश्वर ने उसके प्रति धीरज बनाए रखा। हम किसी से पूछ सकते हैं जो परमेश्वर के नज़दीक हो, ठीक जैसा शमूएल ने किया। हम अपने माता–पिता, पास्टर या कलीसिया के अगुवों से पूछ सकते हैं। हम बाइबल में से भी इसकी पुष्टि कर सकते हैं। जो हम करते हैं अगर इसके समर्थन में आयतें हो, तो हम यकीन कर सकते हैं कि हम सही मार्ग में आगे बढ़ रहे हैं। हम परमेश्वर से मांग सकते हैं कि वह हमारे पास किसी व्यक्ति को भेजकर इस बात की पुष्टि करे, या हमें कोई विशेष गीत देकर इसका समर्थन करें।

रिंग के अंदर

इस हफ्ते परमेश्वर से मांगें कि वह आपसे बातें करें, और आपको कुछ करने के लिए दें। बिना संकोच के उस कार्य को करने या मानने का अभ्यास करें। अगर आप भूल जाते और इंतज़ार करते हो, तो परमेश्वर से अन्य गृहकार्य मांगें।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

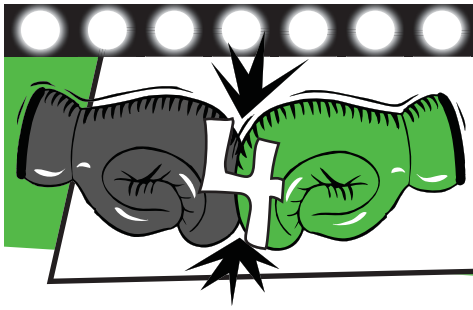

विश्वास बनाम आज्ञा न मानना

बाइबल की कहानीः कनान में भेदिये

गिनती 13:1–3, 17–33, 14:1–11

नाटक

बुद्धिमान विक्की की मां एक जायकेदार खीर बनाती है ताकि वह उसके मित्र मूर्ख फ्रेडी के साथ आनंद उठा सके, लेकिन उसने पहले ही दोनों से कह दिया था कि वे अपनी उंगली को उस खीर में न डाले क्योंकि वह अभी पूरी तरह से पकी नहीं है। मूर्ख फ्रेडी ने उस बात को नहीं मानी। उसने अपनी उंगली को उसमें डाला और उसका जायका बिगाड़ दिया।

याद करने की आयतः

"तब मूसा ने कहा, तुम यहोवा की आज्ञा का उल्लंघन क्यों करते हो? यह सुफल न होगा।" गिनती 14:41

मुख्य पाठ

विश्वासयोग्य होने में आज्ञाकारी होना भी शामिल है। हम कभी यह नहीं कह सकते, ''मैं परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य हूं'' जब उसी समय, हम उसकी आज्ञाओं को टालते या नहीं मानते हैं। यही हम इस हफ्ते अध्ययन कर रहे हैंः ''आनाज्ञाकारिता'' और ''विश्वास'' के बीच संघर्ष। आनाज्ञाकारिता को अक्सर ऐसा देखा जाता है हब हम कुछ ऐसा करते हैं जो हमें नहीं करना चाहिए। उदारहण के लिए, अगर आपकी मम्मी आपसे कहती है कि आप अपने दोस्त के घर में आज खेलने नहीं जाओगे, लेकिन आप किसी तरह वहां चले जाते हो, तो आप आज्ञा नहीं मानते। उसने आपसे **''नहीं''** कहा, लेकिन आपने आज्ञा नहीं मानी और चले गये। कलीसिया में कई लोगों की आज्ञाकारिता के लिए यह परिभाषा है। उदाहरण के लिए, अगर मसीही मानते हैं कि उनको सिगरेट पीने की अनुमति नहीं है, लेकिन चोरी छिपे वे ऐसा करते हैं, तो इसका अर्थ वे आज्ञा का पालन नहीं कर रहे। यह सच है। अगर हमसे कुछ करने के लिए मना किया गया है, लेकिन हम इसे किसी तरह से कर बैठते हैं, तो हम आज्ञा का उल्लंघन कर रहे हैं। एक अन्य तरह की आनाज्ञाकारिता भी है जिस पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता है। अगर आपकी मां आपसे कहती है दुकान जाकर थोड़े से प्याज रात के खाने के लिए लेकर आओ, लेकिन आप नहीं जाते हो, तो यह भी आनाज्ञाकारिता है। अगर परमेश्वर हमसे कुछ करने के लिए कहते हैं, लेकिन हम करने से मना कर देते हैं, तो भी हम आज्ञा का उल्लंघन कर रहे होते हैं। यही आज की हमारी बाइबल कहानी में हुआ जो हम पढ़ेंगे। इस्त्राएल के लोग मिस्त्र में अपनी गुलामी से स्वतंत्र हो गये थे, और मरूस्थल से होकर उस सुंदर भूमि की तरफ जा रहे थे, जो परमेश्वर ने उनको देने का वायदा किया था। जब वे पास पहुंच गये, तब परमेश्वर ने उन्हें रोका। उसने मूसा को 12 अगुवों को भेदिये के रूप में उस वायदे के देश में भेजने को कहा। ये 12 जन उस देश में गये और वहां के लोगों, नगर, इमारतों और अनाज का भेद लेने लगे। वे यह देखने के लिए गये कि यह देश अच्छा है या बुरा। इस बिन्दु तक, इस्त्राएलियों ने वह सब कुछ किया था जो परमेश्वर ने उनसे करने के लिए कहा था। उन्होंने उन 12 भेदियों को भेजा जैसा कि परमेश्वर ने उनसे करने को कहा था।

जबकि, जब वे भेदिये वापस अपने घर को लौट आए, तो वे आपस में असहमत थे। उन सभी 12 लोगों ने बताया कि वह देश वाकई में काफी अच्छा है जहां पर दूध और मधु की नदियां बहती है। वे अपने साथ अंगूर के बड़े गुच्छे भी लेकर आए ताकि वे लोगों को वहां पर कृषि संबंधी संभावनाओं के बारे में बता सके। लेकिन उनमें से 10 भेद लेने वालों ने कहा कि वहां के निवासी काफी ऊंचे–बलशाली और नगर पूरी तरह से किलाबंद किया हुआ है, इसलिए उन्हें जाकर उस देश पर कब्जा करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। केवल 2 भेदियों ने कहा कि हालांकि वहां के लोग अपने डील डौल में काफी ऊंचे–बलशाली है, लेकिन उन्हें फिर भी वहां जाना चाहिए। सभी इस्त्राएलियों ने उन 10 भेदियों की रिर्पोट पर ही कान लगाया और वहां पर जाना नहीं चाहते थे। परमेश्वर दुखी और क्रोधित हुए क्योंकि लोग निरूत्साहित थे। वे परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना चाहते थे और उस देश में जाने से मना कर रहे थे।

यह हमारे लिए काफी आसान होता है कि हम किसी असंभव बात को देखते हैं तो अपने हृदय में निरूत्साहित और दुखी हो उठे। कई बार टीवी समाचार हमें निरूत्साहित करता है या किसी अन्य के द्वारा दिये जाने वाली टिप्पणी हमें दुखी बनाती है। लेकिन परमेश्वर चाहते हैं कि हम उस पर विश्वास रखें और उस पर भरोसा करें। अगर परमेश्वर हमसे कुछ करने को कहते हैं, तो हममें विश्वास का कदम बढ़ाने की इच्छा होनी चाहिए और परमेश्वर की आज्ञा माननी चाहिए। यहूशू और कालेब वे दो भेदिए थे जिन्होंने परमेश्वर पर भरोसा रखा, और लोगों को उत्साहित किया कि यह संभव है। क्या आप यहोशू और कालेब के समान बनना चाहोगे, परमेश्वर की आज्ञा मानना चाहोगे, और अपने हृदय को निरूत्साहित होने से बचा सकोगे? अभ्यास करने से, हम विश्वास और आज्ञा न मानने के बीच के संघर्ष को जीत सकते हैं!

याद करने की आयतों का खेल

अभिनय करो

याद करने की आयत को नाटक या संकेत के द्वारा अभिनय करके दिखाओ। यह एक मजेदार खेल होता है क्योंकि यह दृश्यात्मक, सक्रिय और श्रवणयोग्य होता है।

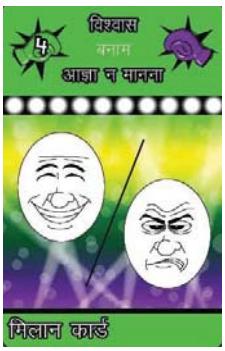

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

वि	ड	ज्ञ	ट	ळ	अ	प	ल	द	ट	प	च	कृ	द्व	न	ज
ज	श	फ	ळ	म	व	इ	ए	व	भे	दि	ए	त्र	षि	ड	न
ग	ल	वा	ब	छ	ज्ञा	ब	त्रा	म	ल	ख	अं	ळ	फ	शू	भ
हृ	म	अ	स	ठ	ब	मि	स्त्र		अ	मि	गू	ठ	हो	ट	छ
प	द	उ	स	जा	ओ	ख	इ	ल	भू	ज	र	य	य	छ	ब
द्य	प्र	य	म	व	म	रू	स्थ	ल	सुं	स	द	ह	ड	क	
आ	ज्ञा	का	रि	ता	द्य	वा	त	सं	ह	प	द	प्रो	त्सा	ह	न
उ	ज्ञा	घ	ङ	ख	ल	ग	य	उ	भ	न	ज	र	रू	स	म
ज	न	यें	का	ले	ब	अ	र	दा	स	व	अ	त	नि	व	फ

विश्वास	इस्त्राएल	भेदिए	प्रोत्साहन
आज्ञाकारिता	मिस्त्र	कृषि	यहोशू
अवज्ञा	मरूस्थल	अंगूर	कालेब
आज्ञायें	वायदा	सुंदर	हृदय
जाओ	भूमि	निरूत्साह	संभव

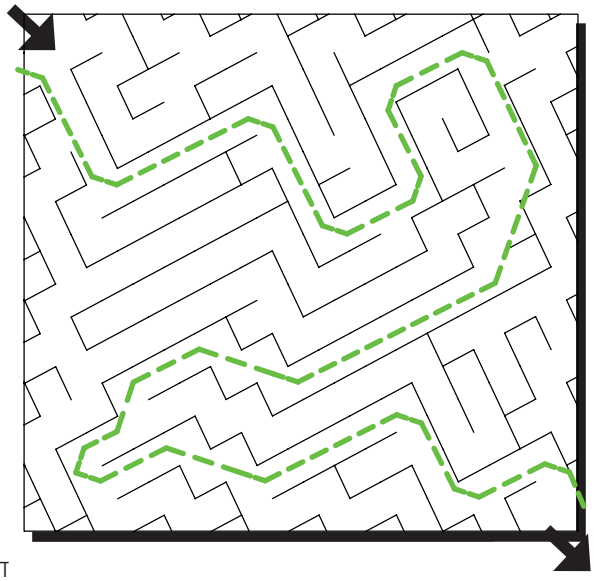

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. वह अंतिम समय कौन सा था जब आप अपने हृदय में निरूत्साहित या निराश हुए थे? आपको किस प्रकार से उत्साह मिला? उन्हें अपनी गवाहियों को बांटने का अवसर दो। समय से पहले एक सच्ची कहानी को अपने मन में तैयार रखो।

2. क्या परमेश्वर ने कभी आपसे कुछ ऐसा पूछा है जो असंभव या बहुत अधिक कठिन लगा हो? जैसे जैसे हम परमेश्वर के अनुभव में बढ़ते जाते हैं, तो हर बार ऐसा लगता है कि वह हमसे ज्यादा से ज्यादा मुश्किल कार्य करने को कह रहा है। सबसे उत्साहित करने वाली बात यह है कि जब परमेश्वर हमसे इतना अधिक मांगता है, तो हम जान सकते हैं कि जितना बलशाली हम अपने आप को देखते हैं उससे कई बढ़कर वह हमें देखता है।

3. क्या आप अपने आप को परमेश्वर के प्रति आज्ञाकारी मानते हो? अपने विद्यार्थियों के साथ एक खुली चर्चा करने की कोशिश करो, जहां पर कोई भी एक दूसरे पर दोष न लगाएं। अपनी खुद की गलतियों और गिर जाने वाले अनुभवों को बांटों, ताकि वे भी सबके सामने खुलकर अपनी बात बता सके। इस बात पर चर्चा करें कि कौन सी बातें आज्ञाकारिता को दिखाती है और कौन सी बातें अनाज्ञाकारिता को दिखाती है।

रिंग के अंदर

परमेश्वर की ओर से दिए गये दो गृहकार्यों को करने का चुनाव करें। पहला, ऐसा कुछ जिसे परमेश्वर ने आपको करने से **मना** किया हो, और अन्य ऐसा कुछ जिसे परमेश्वर ने आपको करने के लिए कहा हो। अनाज्ञाकारिता की लड़ाई को जीतने के लिए इन दोनों बातों में परमेश्वर की आज्ञा मानो।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

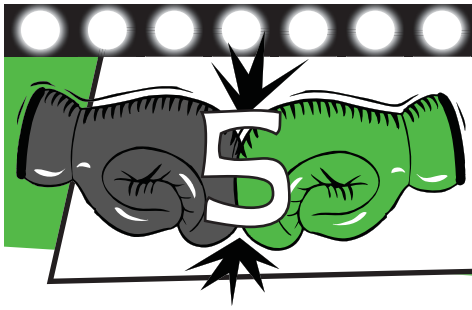

विश्वास बनाम रोके रहना

बाइबल की कहानीः अब्राहम और इसहाक

उत्पत्ति 22:1—18

नाटक

मध्यांतर के समय एक लड़का बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी के पास आता है जो अपने स्वादिष्ट सैंडविच को खाने का आनंद उठा रहे थे। उसने उनसे पूछा कि क्या वे उसके साथ अपने सैंडविच को बांट सकते हैं क्योंकि उसके पास भोजन लेने के लिए बिल्कुल पैसे नहीं है। फ्रेडी ने अपना सैंडविच देने से मना कर दिया, लेकिन विक्की ने अपनी पूरी सैंडविच उसे दे दी।

याद करने की आयतः

"और विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है, क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए, कि वह है; और अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है।"

इब्रानियों 11:6

मुख्य पाठ

संपूर्ण पवित्र शास्त्र में, आरंभ से अंत तक परमेश्वर विश्वास और विश्वासयोग्यता के एक महत्वपूर्ण पहलु को दिखाता है कि उसके प्रति इच्छुक होना और चीज़ों को उसे देने से अपने आप को न रोकना। इसलिए इस सप्ताह हम चीज़ों को अपने पास पकड़कर रखने के पाप से संघर्ष कर रहे हैं? किसी वस्तु को अपने पास पकड़कर रखना दरअसल उस वस्तु को देने से मना करना होता है जो कि उधार (बकाया) है? इसका एक अन्य अर्थ भी हो सकता है कि रोके रखना या अपने पास दबाकर रखना। आज की पवित्र शास्त्र की कहानी में, परमेश्वर ने अब्राहम से कुछ **बड़ा** मांगा! अब अब्राहम को चुनाव करना था कि वह इसे परमेश्वर से गुप्त रखे या फिर इच्छापूर्वक उसकी आज्ञा माने।

अब्राहम के जीवन से अधिकतर समय, वह और उसकी पत्नी सारा के कोई बच्चे नहीं थे? परमेश्वर ने अब्राहम और सारा से वायदा किया था कि उनके वंश (बच्चे, बच्चों के बच्चे, इत्यादि) आकाश के तारागणों की तरह अनगिनत होंगे। इसलिए यह बहुत ही आश्चर्यजनक था कि वे अभी तक एक भी बच्चे को पैदा करने के योग्य नहीं थे? तब एक अद्भुत दिन में, परमेश्वर ने सारा गर्भ खोल दिया और वह गर्भवती हुई, जबकि वह बहुत ही बूढ़ी थी! उनका एक पुत्र हुआ जिसका नाम इसहाक रखा गया और वे उससे बहुत प्यार करते थे और उसकी देखभाल करते थे। एक दिन परमेश्वर ने अब्राहम की परीक्षा लेने का निर्णय लिया ताकि देख सके कि क्या वह इच्छुक था या फिर वह परमेश्वर से कुछ अपने पास रखेगा? परमेश्वर ने अब्राहम को बुलाया और उससे कहा कि अपने पुत्र इसहाक को ऊपर पर्वत पर ले जाकर उसे होमबलि के रूप में बलिदान करके चढ़ा। उसी सुबह, अब्राहम उठा और उसके गधे को पर्वत पर ले जाने के लिए तैयार किया। उसने अपने दो दासों को और अपने पुत्र को लिया और वे सभी कुछ वस्तुएं भी जो बलिदान के लिए आवश्यक थी। वे यात्रा करके उस स्थान को गए जो परमेश्वर ने कहा था, फिर अब्राहम और उसका पुत्र बलिदान की तैयारी के लिए ऊपर की ओर गए।

इसहाक ने अपने पिता से कहा, ''आग और लकड़ी तो यहां है लेकिन बलिदान के लिए मेम्ना कहां है?'' अब्राहम वास्तव में परमेश्वर की उस आज्ञा को मानने के लिए काफी डरा हुआ होगा! परंतु वह परमेश्वर पर विश्वास करता था और योजना के अनुसार चलता रहा। उन्होंने बेदी को तैयार किया और फिर अब्राहम ने इसहाक को उसके ऊपर लिटा दिया। हालांकि, जैसे ही अब्राहम ने चाकू ऊपर उठाया, परमेश्वर ने उसको रोक दिया! परमेश्वर ने अब्राहम को उस बालक को कोई भी हानि ना पहुंचाने के लिए कहा और यह भी कहा, "अब मैं जान गया हूं कि तू परमेश्वर का भय मानता है क्योंकि तूने अपना पुत्र भी मुझसे रोककर ना रखा, जो तेरा एकलौता पुत्र था।" (उत्पत्ति 22:12)

यह आयत दर्शाती है कि परमेश्वर अब्राहम की परीक्षा यह देखने के लिए ले रहा था कि क्या उसने कोई वस्तु परमेश्वर से रख छोड़ी है? हम अब्राहम के साथ आनंद मना सकते हैं कि वह परीक्षा में उत्तीर्ण हो गया! अब्राहम ने अपने आप को इच्छुक साबित किया और अपने पास पीछे कुछ भी ना रख छोड़ा। परमेश्वर हमारी भी परीक्षा लेगा? वह उन पुरुषों और स्त्रियों को, लड़कों और लड़कियों को ढूंढता है जो परमेश्वर को इच्छापूर्वक वह देना चाहते हैं जिसके बारे में वह उनसे कहता है? परमेश्वर उन्हें देखता है जो उससे कुछ भी रख नहीं छोड़ते? क्या आप परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए इच्छुक हैं? क्या आप एक कठिन परीक्षा उत्तीर्ण कर सकते हों?

याद करने की आयतों का खेल

कागज के पर्चे

एक कागज की पर्ची पर याद करने की आयत के किसी एक शब्द को लिखें। बच्चों को उन पर्चों को सही क्रम से रखना होगा।

आप उन एक एक पर्चे को हर बच्चों के सामने किसी टेप से चिपका भी सकते हो और उन्हें एक क्रम से सीधे पंक्ति में खड़े भी करा सकते हो।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

इ	न	अ	ग	अ	ल	ख	ङ	न	क्षा	री	प
स	च्छु	त	च	द्व	ब्रा	छ	ठ	ज	य	हा	र
हा	ठ	क	त्र	दी	ळ	ह	ळ	धा	ड़	श	मे
क	य	ढ	वे	फ	ख	त्र	म	फ	ग	य	श
ट	द	बा	ना	ज	न	न	स	उ	द	ढ	व
स	ल	दे	घ	ग	सा	ह्र	र	का	इं	त्र	र
छ	ख	भ	फ्र	आ	द्र	रा	न्न	द्व	ह्य	ळ	फ
क	रू	का	भ	ह्य	प्र	प	न	अ	ग	न	म
म	ठ	आ	स	मा	न	त	ज	छ	दा	य	क
ल	स	वा	स	मि	ठ	रे	य	लि	छ	ळ	ळ
व	श	छ	उ	ल	ता	ढ	ब	ड	ळ	फ	त्र
वि	हि	पि	क	गु	ज	रा	ठ	ट	त	ळ	न

विश्वास
इच्छुक
इंकार
देना
दबाना
अब्राहम
तारे
आसमान
सारा
इसहाक

बलिदान
परीक्षा
परमेश्वर
गधा
पहाड़
आग
वेदी
रूका
गुजरा

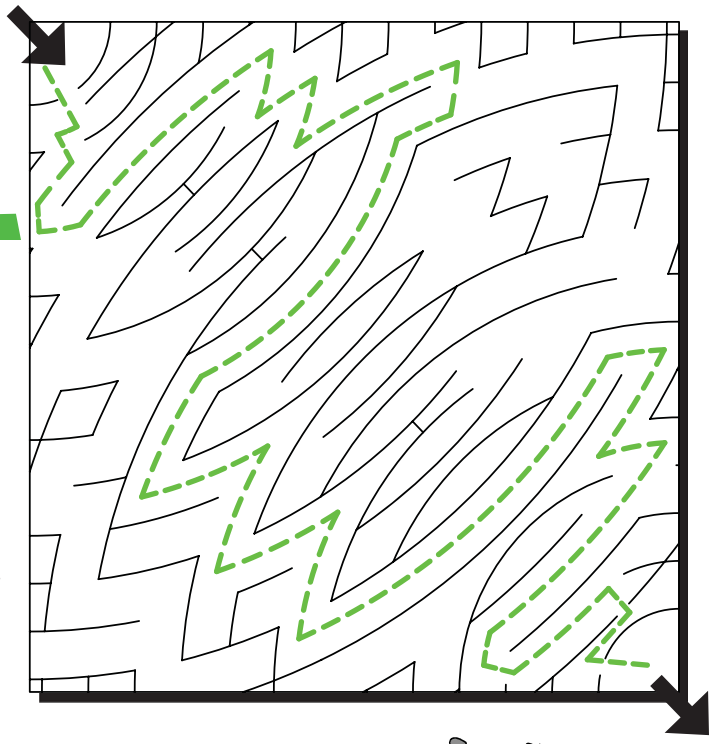

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. क्या आप ने कभी सूचनाएं, मित्रता, या दयालुता को किसी से रोके रखा या रख छोड़ा हैं? कब और किससे? चर्चा करें कि पक्षपाती उत्तर या अपूर्ण सूचनाएं देना क्या होता है। हम हमेशा दूसरों को यह सोचकर मूर्ख बना सकते हैं कि हम ईमानदार है, परंतु हम जानते हैं कि हम कुछ अपने पास रख छोड़ रहे हैं।

2. यदि परमेश्वर आपसे आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण वस्तु बलिदान करने के लिए कहे, तो वह क्या होगी? हम में से अधिकतर लोगों के लिए, यह हमारा सबसे नजदीकी परिवार होगा, बिल्कुल वैसे जैसे अब्राहम के लिए था। परंतु वास्तव में हमारे जीवन में परमेश्वर अपना प्रथम स्थान चाहता है और वह उस की सेवा करने के उद्देश्य से अपने परिवार को भी बलिदान करने के लिए कहेगा। अपने विद्यार्थियों से इस बात पर चर्चा करें कि मिशनरियों को कैसा अनुभव करना चाहिए जब उन्हें परमेश्वर की सेवा किसी अन्य देश या विदेश में करने के लिए अपने परिवारों को छोड़ना पड़ता है?

3. क्या परमेश्वर ने कभी आपकी परीक्षा ली है? स्पष्ट करें? कक्षा में जाने से पहले आप अपना हृदय को परखे कि किस समय परमेश्वर ने आप की परीक्षा ली थी ताकि आप अपने विद्यार्थियों के साथ उसे बांट सके? परमेश्वर अक्सर ऐसी परिस्थितियों को पैदा करता है जो हमें हमारी प्राथमिकताओं को दर्शाता है। यदि उस समय हम परमेश्वर को प्रथम स्थान पर नही रखते हैं, तो हम परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं होंगे।

रिंग के अंदर

इस सप्ताह क्या कुछ ऐसा है जिसे परमेश्वर ने आपसे देने के लिए कहा हैं? एक पल लेकर उसके बारे में सोचें कि वह क्या है और फिर प्रार्थना करें कि परमेश्वर आपको उसे अस्थाई रुप से देने के लिए सामर्थ दे। यह एक कप चाय, फेसबुक, या एक प्रिय (रोचक) खाना हो सकता है। इस युद्ध को जीतने के लिए, इन सभी चीजो को इस पूरे सप्ताह भर उसे छोड़ने का चुनाव करें?

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

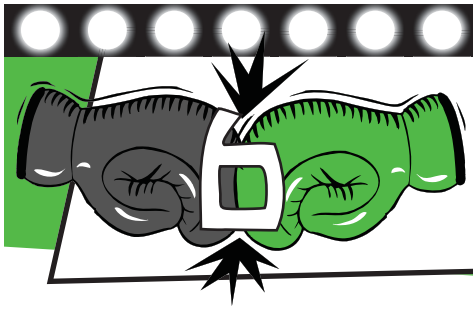

विश्वास बनाम अविश्वसनीयता

बाइबल की कहानीः नूह और उसका जहाज

उत्पत्ति 5:32, 6:1–22, 7:1–12

नाटक

बुद्धिमान विक्की ने वायदा किया कि वह लगातार दो हफ्ते तक हर दिन कूड़े को बाहर फेंकने जाएगा। मूर्ख फ्रेडी ने कहा कि वह पूरे हफ्ते बर्तनों को धोकर साफ करेगा। लेकिन दो दिन के बाद, फ्रेडी ने अपना काम करना छोड़ दिया और अपने वायदे को पूरा नहीं किया।

याद करने की आयतः

"बरन कोई कह सकता है कि तुझे विश्वास है, और मैं कर्म करता हूं: तू अपना विश्वास मुझे कर्म बिना तो दिखा; और मैं अपना विश्वास अपने कर्मों के द्वारा तुझे दिखाऊंगा।" याकूब 2:18

मुख्य पाठ

विश्वासयोग्य रहने में यह भी शामिल होता है कि जो आपने कहा उसे पूरा करे। राजनेता अक्सर इस नारे का उपयोग करते हैं जब वे सरकार की एक पदवी प्राप्त करने के लिए चुनाव में खड़े होकर भाषण देते हैं। कुछ उदाहरण है, *"कार्य, ना की शब्द"* या *"वायदे पूरा किए गये"*। वायदों को पूरा करना यह राजनीति से संबंधित लगता है, परंतु वास्तव मेंए यह बाइबल आधारित है। पहाड़ी उपदेश में, यीशु ने उसके चेलों और वहां पर जमा लोगों को उपदेश दिया। उसने कहा कि हमें किसी प्रकार की शपथ लेने या विशेष वायदा करने की आवश्यकता नहीं है। यीशु ने कहा, "तुम्हारी 'हां' हां हो और तुम्हारे ना 'ना'।" यह बहुत ही सरल है, और बहुत कठिन भी! परमेश्वर सदैव उन पुरुषों और स्त्रियों को देखेगा जो उसके लिए वह करने के लिए विश्वासयोग्य होंगे जो उन्होंने कहा कि वे करेंगे। यदि हम अपने वायदों को पूरा नहीं करतेए तो हम अविश्वसनीय है। इस सप्ताह हमारा संघर्ष ''विश्वासयोग्यता'' बनाम ''अविश्वासनीयता'' के बीच है।

नूह एक विश्वासयोग्य पुरुष था। जब उसने परमेश्वर को ''हां'' कहा, तब उसने अपने लक्ष्य को पूरा भी किया। हममें से बहुतों ने नूह और जहाज की कहानी सुनी है। परमेश्वर ने एक दिन नूह को लकड़ी का एक बड़ा जहाज बनाने के लिए कहा। जब नूह ने जहाज बनाने का कार्य समाप्त किया, तब परमेश्वर ने हर जानवरों में से दो जोड़े भेजे, और नूह ने उन सभी को नाव के अंदर ले लिया। जब वे सभी सुरक्षित अंदर आ गए, तब परमेश्वर ने द्वार बंद कर दिया और पृथ्वी पर एक बड़ी जलप्रलय भेज दिया।

हालांकि, क्या आप यह कल्पना कर सकते हो कि किस प्रकार यह नूह के लिए कठिन रहा होगा? हम बिल्कुल सही तरह से यह नहीं जानते कि नूह को इस बड़े जहाज को बनाने में कितना समय लगा होगा, पर इस बात के आधार पर कि नूह के बच्चे बड़े हो गए थे और सभी विवाहित थे, तो यह लगभग 55 और 75 वर्ष के मध्य रहा होगा!!! इसलिए, परमेश्वर ने नूह को जहाज बनाने के लिए कहने के बाद, नूह कार्य करता रहा और करता रहा और करता ही रहा। साल गुजरते गए, और वह कार्य करता रहा! 10 साल, फिर 20 साल, और फिर 30 साल और वह कार्य करता रहा। क्या आप सोचते हैं कि यह कितना कठिन है कि एक ही प्रक्रिया पर 55 या 75 साल तक लगातार कार्य किया जाए? हां! यह बहुत ही कठिन रहा होगा! जब परमेश्वर ने नूह को जहाज बनाने के लिए कहा, तब नूह ने ऐसा ही किया। उसने परमेश्वर को ''हा'' कहा और फिर उसके अनुसार ही उसने कार्य किया। उसने जहाज बनाया। यह बहुत ही सरल नज़र आता है, परंतु जो हमने वायदा किया, उसके अनुसार उसे पूरा करना आसान नहीं है। विशेषकर जब अन्य लोग हमारे कार्य पर हंसते हैं या मजाक उड़ाते हैं। अधिक संभावना है कि नूह के पड़ोसी भी उस पर हंसते होंगे और वह भी 50 वर्षों से अधिक समय तक! इस पाप पर विजय प्राप्त करने के लिए, हमें अवश्य ही परमेश्वर पर निर्भर होना चाहिए जिस कार्य को करने के लिए उसने हमें कहा है, चाहे फिर वह हमारे 75 वर्ष ले ले! क्या आप परमेश्वर के प्रति वफादार और विश्वासयोग्य होंगे, उस कार्य को पूरा करने के लिए जो आपने उससे वायदा किया है।

याद करने की आयतों का खेल

बिखरी हुई पहेलियां

एक रंगीन कागज़ के टुकड़े पर हर बच्चे से एक आयत लिखवाएं, फिर पहेली रेखाएं खींचें और फिर उन टुकड़ों को काट लें। (अगर समय कम हो, तो समय से पहले ही पहेलियों को तैयार कर लें।) उसके बाद बच्चों के बीच एक मुकाबला करायें कि सबसे पहले उनकी पहेलियों को कौन एक साथ जोड़ता या मिलाता है। पहेली के पूरा होने पर पहले जोड़ने वाले विद्यार्थी या टीम को खड़े होकर ऊंची आवाज़ में अपनी आयत को बोलना होगा।

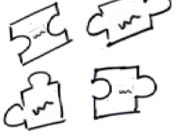

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

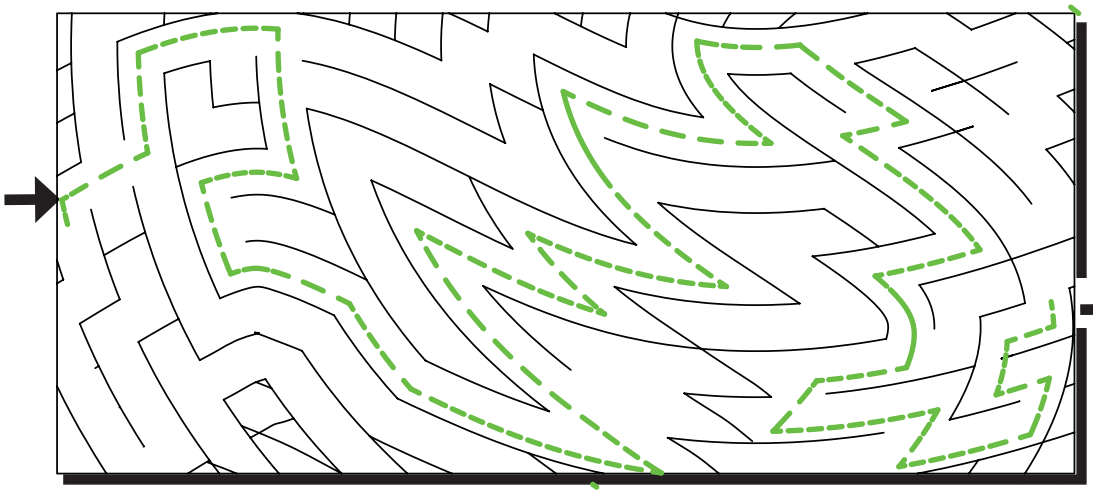

विश्वास
वायदे
संभाला
कठिन
अविश्वसनीयता
नहीं
नूह
संदूक

लकड़ी
जानवर
बाढ़
परियोजना
कर्म
अनुगमन
वचन
पूर्ण

प	रि	यो	ज	ना	घ	पू	ज	त	च	हीं	अ	बा	ख
घ	द्य	वि	ह्म	क्त	द्र	प्र	र्ण	जा	न	व	र	म	ढ़
अ	वि	श	व	स	नी	य	ता	भ	प	ठि	इ	क	फ
फ	ळ	वा	ट	छ	न	म	ग	नु	अ	ड	क	द	छ
व	त्र	स	य	ल	क	डी	ब	इ	ला	क	म	व	ह
भ	च	व	म	दे	क	दू	न	भा	ज	ट	र्म	ल	नू
ग	ल	न	स	छ	ल	भ	सं	त	च	क	भ	ख	ठ

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. अपने स्कूल, घर, या कार्यक्षेत्र पर आप कितने वर्षों तक विश्वासयोग्य रहे? यह चर्चा करने के बाद कि किस प्रकार नूह के लिए इतने लम्बे समय तक विश्वासयोग्य और निर्भर बने रहना कितना कठिन था, प्रत्येक विद्यार्थी को यह बांटने के लिए कहें कि वे कितने वर्षों तक विश्वासयोग्य रहे हैं।

2. क्या आप अपने समुदाय में किसी ऐसे नेता को जानते हैं जिसने अपने वायदों को पूरा किया है या उन्हें जिन्होंने ऐसा नहीं किया।

यह विचार किसी भी प्रकार से राजनीति में उतरने के लिए नहीं है, परंतु यह वास्तविकता जानना है कि किस प्रकार हमारे लिए अपने वादों को पकड़े रखना कठिन है और उन कार्यो को पूरा करना जो परमेश्वर ने हमें करने के लिए दिए हैं। समाज या समुदाय के बारे में बातचीत इस अध्याय की वास्तविकता को समझने में और अनुभव करने में सहायक है और आपके विद्यार्थियों के अपने जीवन में इसे लागू करने में मददगार होगी।

3. परमेश्वर ने आपसे क्या करने को कहा है? अपने व्यक्तिगत गवाही को बांटने के लिए कुछ समय निकालें जो कि परमेश्वर ने हर व्यक्ति को करने के लिए कहा है। क्या वे उस काम को पूरा करने में विश्वासयोग्य रहे हैं जो परमेश्वर ने उन्हें करने के लिए कहा है?

रिंग के अंदर

परमेश्वर के प्रति निर्भर बनने के लिए अपने जीवन में किसी क्षेत्र को चुनों। इस हफ्ते एक दिन परमेश्वर के लिए कुछ करने का चुनाव करो, और इस बात का यकीन करें कि उस पर विश्वासयोग्य रहें। जब आप पूरा कर लेते हो, परमेश्वर के लिए अन्य वायदे को चुनो और उस दिन को भी, जब आप उसे पूरा करोगे। अपने वायदे को पूरा करने का निश्चय करें।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

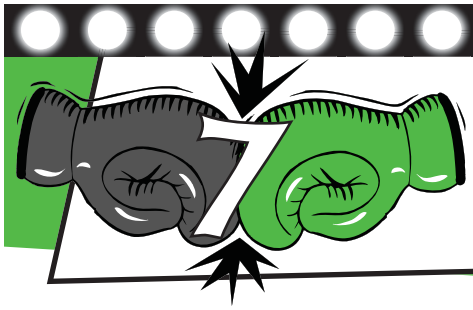

विश्वास बनाम संदेह

बाइबल की कहानीः यीशु थोमा के सामने प्रकट होता है

यूहन्ना 20:24-31

नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी से कहा गया कि अगर वे अपना सारा काम पूरा कर लेते हैं तो उन्हें एक मजेदार पुरस्कार दिया जाएगा। बुद्धिमान विक्की ने अपना कार्य पूरा कर लिया, जबकि उसे अपना बाथरूम तक साफ करना पड़ा था। लेकिन मूर्ख फ्रेडी यह विश्वास नहीं कर पाया कि वास्तव में कोई पुरस्कार मिलेगा इसलिए उसने अपना कार्य पूरा नहीं किया।

याद करने की आयतः

"यीशु ने उस से कहा, तू ने तो मुझे देखकर विश्वास किया है, धन्य हैं वे जिन्हों ने बिना देखे विश्वास किया।" यूहन्ना 20:29

मुख्य पाठ

विश्वास किसी एक व्यक्ति या वस्तु पर एक भरोसा या आत्मविश्वास होता है। यह किसी एक वस्तु पर या किसी व्यक्ति पर वह भरोसा होता है जिसको हम देख नहीं सकते। मसीहियों के लिए, परमेश्वर पर विश्वास करना उस पर एक आत्मविश्वास और भरोसा होना है, यद्यपि हम उसे देख नहीं सकते। इस सप्ताह हमारे मैच का संघर्ष विश्वास बनाम संदेह के बीच है। संदेह विश्वास की कमी और अनिश्चितता होती है। यदि हमारे पास हमारे जीवन में आत्मा का फल "विश्वास" या ''विश्वासयोग्यता'' होना है तो इसमें शामिल हैं कि हम विश्वास से भरे हो और हमें समय समय पर संदेह के विरोध में लड़ना होगा जो हमारे हृदय में कई बार आता है।

आज की बाइबल की कहानी थोमा के बारे में है। वह यीशु का चेला था और वह यीशु मसीह के साथ साथ चला जब यीशु मसीह इस पृथ्वी पर थे। वह यीशु मसीह का अनुसरण करता रहा और उसने उसकी (यीशु की) संपूर्ण कहानी और संदेशों के प्रचार को स्वयं अपने कानों से सुना था। परंतु जब यीशु मसीह बंदी बनाए गए और उन पर न्याय का मुकदमा चलाया गया, तब उन्होंने उसे दोषी ठहराया और यीशु को क्रूस पर लटकाया गया। लेकिन यीशु ने पहले ही अपने चेलों से कह दिया था कि वह तीसरे दिन मुर्दों में से जी उठेगा, परंतु उनमें से किसी ने भी यह बात स्मरण नहीं रखी। हो सकता है कि वे इस बात पर विश्वास नहीं करते थे कि ऐसा संभव हो सकता है, क्योंकि उन्होंने अपने स्वयं की आंखों से उसे क्रूस पर मरते हुए देखा था। तब यीशु ने उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया और मुर्दों में से जी उठा जैसा कि उसने वायदा किया था। एक दिन उसने अपने आप को चेलों पर प्रकट किया जिस समय थोमा उनके साथ नहीं था (यूहन्ना 20:25)। ''इसलिए अन्य चेलों ने उससे कहा, "हमने प्रभु को देखा है!" परंतु थोमा ने कहा, "जब तक मैं उसके हाथों में कीलों के निशान न देख लूं और अपनी उंगली को कीलों के छेद में न डाल लूं तब तक विश्वास नहीं करुंगा।''' एक सप्ताह के बाद, यीशु फिर से अपने चेलों के पास आया और उस समय थोमा उनके साथ था। यीशु विशेषकर थोमा के पास गया और उसे अपने हाथों के छेदो और पंजर के जख्म को दिखाया।

थोमा ने यीशु पर संदेह किया और वह चाहता था कि उसको (यीशु को) देख कर विश्वास करें। हालांकि, यीशु आपसे और मुझसे यह कहता है कि जबकि हम उसे नहीं देख सकते, फिर भी उस पर विश्वास करो। क्या आप अपने हृदय में उठने वाले संदेह से लड़ोगे ताकि आपका विश्वास दृढ़ हो सके? यदि हमारे पास भी संदेह है, तब भी हमें निरुत्साहित होने की आवश्यकता नहीं है। यीशु हम पर धीरज धरता है, जैसे कि उसने थोमा के साथ किया था!

याद करने की आयतों का खेल

रिले दौड़

बच्चों को दो समूहों में विभाजित करें। दौड़ शुरू करने के उस रेखा से थोड़ी दूरी पर एक चॉकबोर्ड, सफेद बोर्ड, या एक बड़ा कागज रखें। प्रत्येक टीम के पहले बच्चे के हाथ में एक पेन या बोर्ड पर लिखने का चॉक थमाएं और जैसे ही ''जाओ'' कहा जाएं तो उसे उस बोर्ड या कागज़ की ओर भागना होगा और उसे आयत का पहला शब्द उस पर लिखना होगा। फिर उसे अपने टीम में लौटकर दूसरे को देना होगा ताकि वह उसके आगे का अगला शब्द लिखे। इस तरह जो टीम आयतों को सही ढंग से पहले लिखेगी वह टीम जीतेगी।

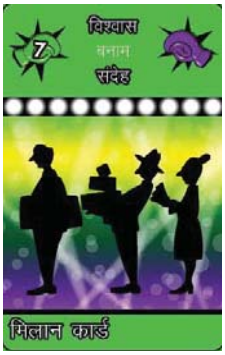

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

विश्वास
आत्मविश्वास
भरोसा
व्यक्ति
यकीन
मसीही
थोमा
यीशु
दंड़ित

परख
मृत्यु
पुनरूत्थान
शिष्य
संदेह
हृदय
देखना
निरूत्साहित

आ	ज	अ	न	ग	य	की	न	ल	शि	ष्य	त
ढ	त्म	य	ठ	द	त्यु	फ	ळ	ख	द्य	द्व	च
त्र	ख	वि	ह	मृ	स	थो	मा	ङ	सा	छ	घ
ळ	र	ब	श	उ	अ	प	ड	द	ठ	रो	कृ
फ	हि	क	घ	वा	व	म	र	छ	ख	प	भ
म	शु	यी	भ	सी	स	त	र	ख	ज	ना	अ
पु	न	रू	त्था	न	ह	त	द	व	ही	ड	न
ट	ळ	थ	त	ब	ड़ि	म	स	स	ल	सी	ज
मे	प	कि	द	दं	स	व	वा	उ	ख	म	म
ज्ञ	व्य	ज	न	अ	स	उ	श	भ	ग	व	त
वे	ह	त	हि	त्सा	रू	नि	वि	सं	दे	ह	च

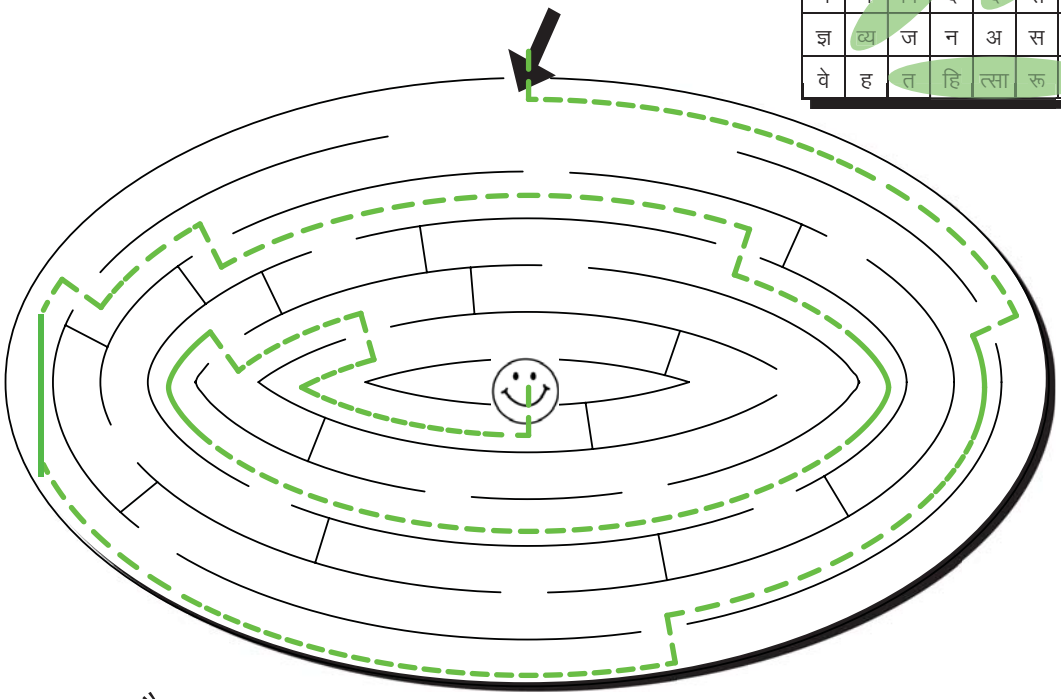

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. हर कोई यीशु पर विश्वास क्यों नहीं करते? परमेश्वर ने हम मनुष्य को यह अधिकार दिया है कि विश्वास करने का चुनाव करें या ना करें क्योंकि वह हमसे चाहता था कि हमारे पास स्वयं की इच्छा हो, और रोबोट के समान नहीं जिनके पास कोई चुनाव नहीं होता। अधिकतर लोग यीशु पर विश्वास ना करने का चुनाव करते हैं क्योंकि इसका अर्थ यह है कि उन्हें अपने जीवन के तरीकों को बदलना पड़ेगा।

2. क्या कोई ऐसी बात है जिसे परमेश्वर ना कर सके? ऐसी कोई बात नहीं जिसे परमेश्वर ना कर सके। फिर भी, वह दयालु हैं और हम पर कोई दबाव नहीं डालेगा। मनुष्य के पास अपने जीवन को पाप में, मूर्तिपूजा के पीछे चलने, और अपने शरीर की अभिलाषा को पूरा करते हुए जीने का चुनाव करने का अधिकार है। यह बात परमेश्वर के हृदय को तोड़ देती है परंतु वह हम पर कोई दबाव नहीं डालता कि उस पर विश्वास करे या उसकी आज्ञा माने।

3. जब हम संदेह करते हैं तब क्या हम समस्या में पड़ जाते हैं? थोमा तब समस्या में नहीं था जब उसने इस बात पर संदेह किया कि यीशु मृत्यु में से जी उठे हैं। हालांकि, जो बिना देखे हुए भी संदेह नहीं करते उन के लिए अतिरिक्त आशीष रखी हुई है।

रिंग के अंदर

इस सप्ताह परमेश्वर पर विश्वास करने का चुनाव करें, कुछ ऐसी बात के लिए जो परमेश्वर के द्वारा आपको देने का वायदा किया गया है लेकिन जो संभव नहीं दिखाई देता। परमेश्वर से कहें कि आप तब तक इंतजार करने के इच्छुक है जब तक वह अपना वायदा पूरा नहीं कर देता। इंतजार के लिए अपनी इच्छा शक्ति को दिखाने के लिए, जाकर किसी पंक्ति में खड़े हो जाएं, जहां पर आपको खड़े होने की जरूरत न हो! लिखें कि कितने मिनट आपने उस पंक्ति में इंतजार किया जो आप अपने कोच को वापस सूचना (रिपोर्ट) दे सके।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

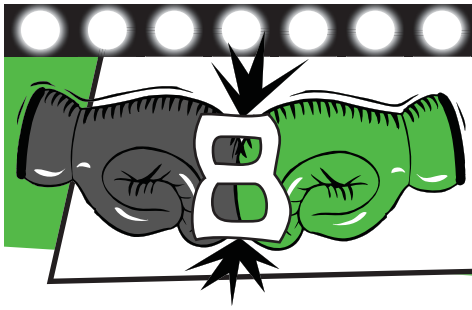

नम्रता बनाम कलह

बाइबल की कहानीः अब्राहम और लूत अलग होते हैं

उत्पत्ति 13:1–18

नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी के पास हैंबर्गर या पिज्ज़ा में से किसी एक को हासिल करने का कूपन ही था, और वे यह तय नहीं कर पा रहे थे कि क्या खाएं। विक्की ने फ्रेडी को चुनाव का अवसर दिया कि वह उस कूपन से अपने लिए कोई एक चीज़ चुने और ऐसा करने के बाद वे दोनों खुश थे।

याद करने की आयतः

"अर्थात् सारी दीनता और नम्रता सहित, और धीरज धरकर प्रेम से एक दूसरे को सह लो।"
इफिसियों 4:2

मुख्य पाठ

इस वर्ष हम पवित्रआत्मा के फल के बारे में सीख रहे हैं। यह मसीही जीवन जीने के मार्ग और क्रियाएं है। गलातियों अध्याय 5 में शरीर के फल के बारे में भी लिखा गया है। वे ऐसी क्रियाएं है जिससे हम प्रसन्न होते हैं यह ना जानते हुए कि यह अन्य लोगों पर क्या प्रभाव डालता है। शरीर के पापों में से एक पाप कलह या मतभेद है जिसके विषय में इस सप्ताह हम सीख रहे हैं। वास्तव में, कलह का अर्थ विरोध करना या असहमति होता है जिसके कारण झगड़ा उत्पन्न होता है। यह किसी के साथ हमारी लड़ाई है जब हम किसी से सहमत नहीं होते या कोई विवाद होता है क्योंकि हम उनसे सहमत नहीं होते।

यह स्वाभाविक बात है कि हमारे आस पास के लोगों से हम हमेशा सहमत नहीं होते। लेकिन यह बात जरूरी है कि हम एक दूसरे का सम्मान करें और असहमत होते हुए भी लड़ाई ना करें। यदि हम लड़ना आरंभ करते हैं, या एक दूसरे के साथ कार्य करने के लिए मना कर देते हैं तो हम पाप में है। यह कोई बड़ा अपराध के रूप में नहीं दिखता परंतु परमेश्वर ने गलातियों में अन्य पापों जैसे जादू टोना, पियक्कड़पन, और व्यभिचार की श्रेणी में इस पाप को भी जोड़ा है! अगर परमेश्वर ने कलह को इन पापों की श्रेणी में शामिल किया है तो हमें यह जान लेना चाहिए कि यह परमेश्वर के लिए कितना महत्वपूर्ण है।

आज के पवित्र शास्त्र की कहानी में, अब्राहम हमें लड़ाई को नियंत्रित करने का एक अच्छा तरीका बताता है। अब्राहम और लूत, दोनों ही के पास बड़ा परिवार, भेड़ बकरियां और गाय–बैलों के बड़े झुंड थे। वे दोनों एक दूसरे के साथ साथ यात्रा करने हुए एक साथ रहने की कोशिश कर रहे थे, परंतु वे बहुत ही बड़े थे और वह स्थान उन दोनों को एक साथ नहीं रख पा रहा था। बाइबल बताती है कि उनके चरवाहों के मध्य लड़ाई होने लगी। अब्राहम और लूत ने अपने आप को एक समस्या के बीच पाया जब उनके अधिकार के लोग आपस में लड़ने लगे और अब यह उनकी जिम्मेदारी थी कि वे कुछ करें।

उन्होंने यह निर्णय लिया कि वे एक दूसरे से अलग रहेंगे ताकि उन्हें जगह के लिए कठिनाई न हो। वे इस बात को लेकर लड़े नहीं, परंतु अब्राहम ने लूत को यह चुनने का अधिकार दिया कि वह कहां रहना चाहता है। जब लूत ने जगह चुन लिया, तब अब्राहम दूसरी दिशा में चला गया। वे एक दूसरे से अलग हो गए और उन दोनों के पास इतनी जगह हो गई कि वे अपने परिवारों और भेड़ों के बड़े झुंड के साथ रह सके। अब्राहम ने जो किया उसे करना आसान नहीं था। उसने दूसरे व्यक्ति को उस का मार्ग चुनने के लिए अवसर दिया। यदि हमें कलह के पाप को जीतना हैं तो हमें लड़ाई ना करते हुए लोगों को उनका स्वयं का मार्ग चुनने का अवसर देना चाहिए। क्या आप अब्राहम के समान बन सकते हैं और अन्य लोगों को स्वयं का मार्ग चुनने दे सकते हो।

याद करने की आयतों का खेल

एक शब्द को मिटायें

याद करने की आयत को बोर्ड पर लिखें। एक समय में एक एक शब्द को मिटाएं, हर बार बच्चों को आयत को जोर से कहने को कहें।

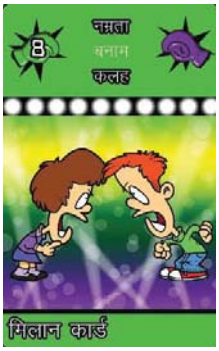

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

ज	ति	म	ह	स	अ	म	ज	त	अ
न	ग	ल	ल	ख	ग	सी	च	न्य	घ
अ	फ	ह	क्त	का	म	ही	झ	ह्य	प्र
झुं	ड	कृ	ल	भ	च	ह	प्र	ग	क्र
प्र	आ	द	र	क	र्म	म	त्व	फ	ड़ा
त	ज	त्मा	उ	स	व	प	प	पू	ज
म	न	त	हि	श	री	र	च	न	र्ण
प	ह	स	लू	ज	का	मे	अ	रा	ज
पा	ति	ब्रा	म	इं	ले	श	उ	व	ई
ट	च	अ	अ	ग	ल	व	दू	री	व
त	म	क	ब	खे	भ	र	न	अ	र

फल	अन्य
आत्मा	इंकार
कर्म	काम
मसीही	महत्वपूर्ण
शरीर	परमेश्वर
पाप	अब्राहम
कलह	लूत
असहमति	झुंड़
झगड़ा	चराई
आदर	दूरी

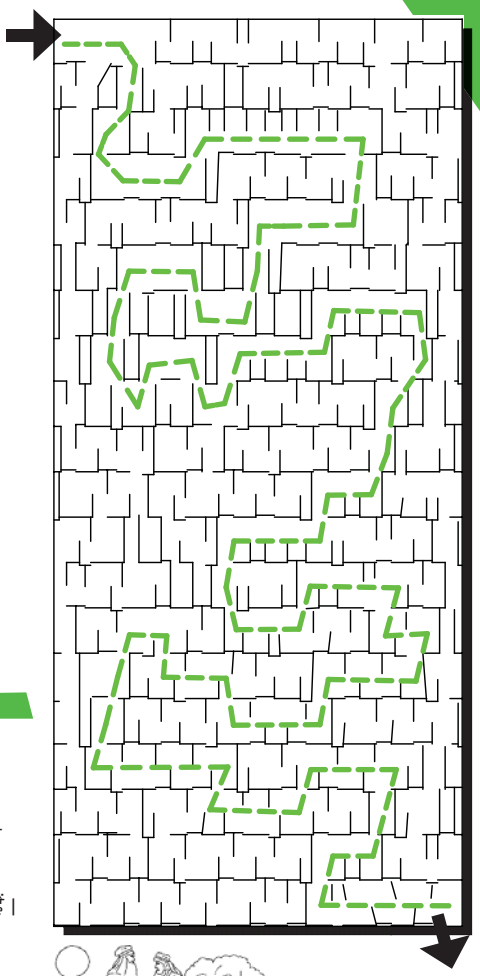

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. ऐसी कोई बात बताएं जिससे आप इस हफ्ते कभी असहमत हुए हो। किसके साथ और क्यों? बच्चों को एक दूसरे के साथ यह बात बांटने का थोड़ा समय दें कि इस हफ्ते उन्होंने किन बातों में असहमति पाई। अपने स्वयं के विचार तैयार रखें। उन मतभेदों को सुलझाने की कोशिश ना करें, बल्कि उन्हें यह बताएं कि वह कितने साधारण है। अपने विद्यार्थियों के साथ यह बातें करें कि किस प्रकार बिना लड़े सहमत हो सकते हैं।

2. क्या आपको ऐसी कोई बात याद है जिसमें आपने किसी व्यक्ति को उसका स्वयं का मार्ग चुनने दिया हो? दूसरों को जीतने देना हम मनुष्यों के लिए बहुत ही कठिन बात है। विद्यार्थियों को यह अवसर दे कि वह कोई ऐसी कहानी बतायें, चाहे वह पुरानी ही क्यों न हो, जिसमें उन्होंने दूसरे अन्य व्यक्ति को उसका स्वयं का मार्ग चुनने का अवसर दिया हो। दुर्भाग्य से, कुछ लोगों ने अन्य लोगों को कभी जीतने नहीं दिया। इस बात पर चर्चा करें कि जब हम किसी और को जीतने नहीं देते तो वह कितना भयानक होता है और परमेश्वर किस प्रकार हमें अन्य लोगों के साथ शांति से रहने के लिए कहता है।

3. क्या यह आवश्यक है कि हम सदैव सही हो, यदि आप किसी की सहायता भी करना चाह रहे हो तो? नहीं! परमेश्वर नहीं चाहता कि हमारे बीच मतभेद हो। इसका यह अर्थ है कि यह कोई मायने नहीं रखता कि हमारा मकसद कितना अच्छा है, लेकिन फिर भी कभी–कभी हमें दूसरों को भी जीतना देना चाहिए और लड़ाई नहीं करनी चाहिए। यह मायने नहीं रखता कि आप सहायता करना चाह रहे हैं और उसी कारण से लड़ रहे हैं। लड़ाई को रोकिए!

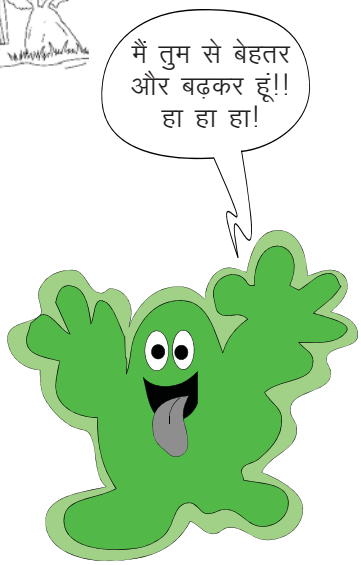

रिंग के अंदर

जिस समय आप किसी वस्तु के लिए असहमत हो तब भी किसी अन्य व्यक्ति को जीतने का अवसर दें। आप असहमत होने के लिए चुनाव कर सकते हैं परंतु आपको उस बात पर लड़ने से अपने आप को रोकना चाहिए। उन्हें उनके विचार रखने की अनुमति दें।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

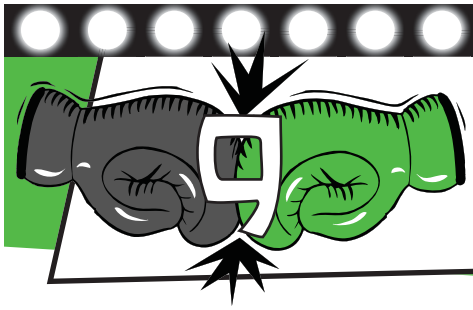

नम्रता बनाम परंपरा

बाइबल की कहानीः शुद्ध और अशुद्ध

मत्ती 15:1–20

नाटक

एक शनिवार की रात, बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी को कलीसिया में एक समारोह के लिए आमंत्रित किया गया। विक्की ने शानदार कपड़े पहन रखे थे लेकिन फ्रेडी पायजामा पहनकर ही वहां पहुंचा। विक्की ने उससे पूछा, ''तुमने ऐसे कपड़े क्यों पहन रखे हैं?'' फ्रेडी ने प्रतिक्रिया की कि उन्होंने उससे कहा था कि वह शाम को पहनने वाली पोशाक में आए। लेकिन यहां आकर वह बहुत शर्मिंदा हुआ कि यह एक शानदार समारोह था और उसे भी अन्य लोगों की तरह सूट और टाई पहनकर आना था।

याद करने की आयतः

"तुम न यहूदियों, न यूनानियों, और न परमेश्वर की कलीसिया के लिये ठोकर का कारण बनो। जैसा मैं भी सब बातों में सब को प्रसन्न रखता हूं, और अपना नहीं, परन्तु बहुतों का लाभ ढूंढ़ता हूं, कि वे उद्धार पाएं।" 1 कुरिन्थियों 10:32–33

मुख्य पाठ

इस सप्ताह का संघर्ष नम्रता और परंपरा के बीच है। नम्रता आत्मा का एक कठिन फल हो सकता है क्योंकि कई संस्कृतियों में नम्रता को कमजोरी माना जाता है। इसे अक्सर एक उदारता, दयालुता, दीनता और आधीन रहने वाला स्वभाव माना जाता है। परंतु कईयों के लिए आधीन रहना ठीक नहीं माना जाता! लेकिन, परमेश्वर के लिए आधीन रहना अच्छा है और यह कुछ ऐसी बात है जो परमेश्वर हमसे चाहता है। परमेश्वर ने सोचा कि इसे पवित्रशास्त्र में आत्मा के फल की सूची में रखना महत्वपूर्ण है और यीशु ने इस पृथ्वी पर रहते हुए नम्रता दिखाई थी।

इस संसार की हर कलीसिया में, धार्मिक परंपराएं हमारे लिए इतने अधिक महत्वपूर्ण बन गये हैं कि हम अधीनता में रहना भूल जाते हैं। हम यह पूरी रीति से भूल जाते हैं कि परमेश्वर हमसे यह चाहता है कि हम अन्य लोगों के साथ उदारता और दया के साथ रहे। हमारी परंपराएं लोगों से अधिक महत्वपूर्ण बन गई हैं!

आज की बाइबल कहानी बहुत ही महत्वपूर्ण है, जहां पर प्रभु यीशु मसीह हमें यह दर्शाते हैं कि हमें किस प्रकार अपने रीति–रिवाजों या परंपराओं के साथ सावधान रहना है। एक दिन, कलीसिया के अगुवे यीशु के पास आए और उससे पूछा कि उसने चेलों को बिना हाथ धोए रोटी खाकर उनकी परंपरा को तोड़ने की अनुमति क्यों दी। परंतु यीशु ने उन अगुवों से पूछा कि वे परंपराओं के कारण अपने स्वयं के परिवार का निरादर क्यों करते हैं। यीशु ने उन्हें कपटी पुकारा!

हो सकता है कि आपके देश में ऐसी कोई परंपरा ना हो जहां पर बिना हाथ धोए भोजन खाना पाप माना जाता हो। पर आपके देश में ऐसी परंपराएं होंगे जो आपके लिए काफी महत्वपूर्ण होंगे। यह सोचें कि आप यह नहीं जानते कि ''बिना हाथ धोए खाना'' एक परंपरा है और उसकी बजाय अपने देश के किसी रीति–रिवाज को यीशु के उस वाक्य में इस्तेमाल करें। क्या होता अगर यीशु आपके किसी परंपरा के बारे में बात करता? तो क्या आप आधीन रहकर उनसे प्रेम कर पाएंगे जिन्होंने आपकी परंपरा को तोड़ा है? या उन फरीसियों के समान बनोगे, जो परंपरा को किसी भी कीमत पर पहले दर्जे पर रखते हैं।

यीशु ने तब उन अगुवों से कहा कि जो मुंह में जाता है वह मनुष्य को अशुद्ध नहीं करता, परंतु जो मुंह से निकलता है वह उसे अशुद्ध करता है। ऐसा इसलिए हैं क्योंकि जो हमारे मुंह से बाहर निकलता है वह मन से आत है। परमेश्वर हमारे परंपरों को नहीं परंतु मनों पर अधिक ध्यान देता है। क्या आप अपनी परंपराओं को पालन उनके साथ, जो आप की परंपराओं को तोड़ते हैं, संयम के साथ कर सकते हो? हालांकि, यह बहुत ही कठिन होगा, परंतु इसी तरह हम यीशु के समान बन सकते हैं।

याद करने की आयतों का खेल

हॉपस्कोच

फर्श पर हॉपस्कोच नमूना बनाने के लिए मास्किंग टेप का उपयोग करें। कागज पर याद करने की आयत लिखें और उन्हें प्रत्येक हॉपस्कोच वर्ग के शीर्ष पर टेप से चिपका दें (मास्किंग टेप को कागज के छोर की ओर पूरी तरह से लगाएं ताकि बच्चों के पैर शब्दों पर न लगे)। कक्षा को हॉपस्कोच इलाके के हर तरफ पंक्ति में खड़े कराएं ताकि वे शब्दों को देख सके जब बच्चें बारी बारी से कूदते हैं। जब बच्चे प्रत्येक वर्ग में कूदते हैं, तब वे जाते हुए आयत को दोहराते जाते हैं।

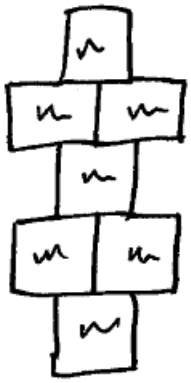

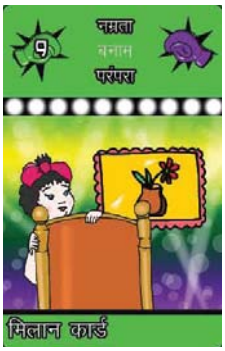

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

प्रे	ए	ना	ट	टू	ळ	खा	फ	म	प
ठ	म	य	ढ	ळ	ब	ना	ट	क	र
रो	म	यी	शु	स	मै	ला	अ	द	मे
त	क	ड	से	अ	प	ही	ग	या	श
ज	न	ना	ट	प	रं	प	रा	लु	व
हा	थ	ल	शि	ष्य	ती	ज	मुं	ह	र
य	य	द	हृ	ळ	नि	चिं	ति	त	फ
ढ	व	फ	ता	फ	द	य	ट	रे	म
त्र	च	म्र	इ	उ	व	छ	म	स	ल
दी	न	ता	स	अ	शु	द्ध	हि	दू	ख

नम्रता
परंपरा
दयालु
दीनता
रोकना
वचन
यीशु
शिष्य
टूटना
नियम
खाना
मैला
हाथ
प्रेम
दूसरे
मुंह
परमेश्वर
चिंतित
हृदय
अशुद्ध

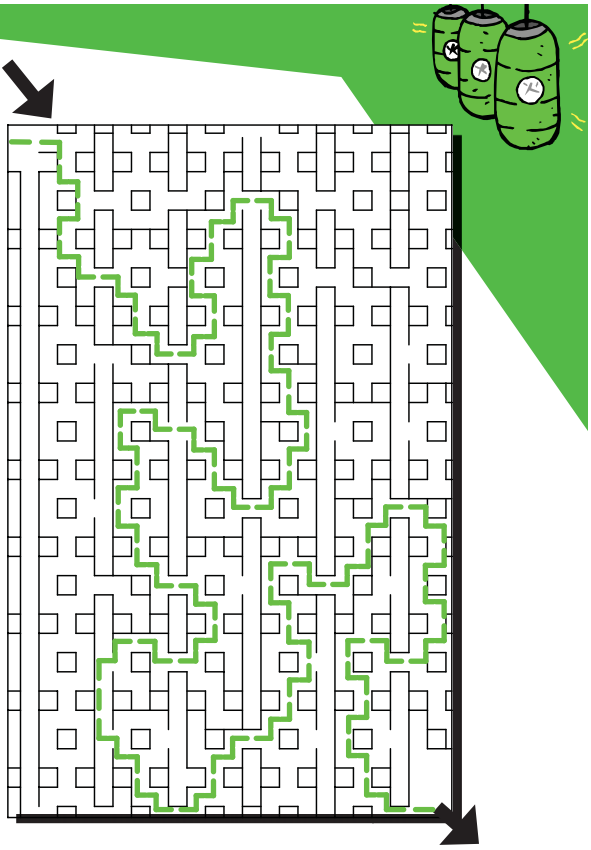

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

सवाल और जवाब

1. आपके समुदाय में कौन सी परंपराएं पाई जाती है? आपकी कलीसिया या संप्रदाय के सदस्यों से अपेक्षा की जाने वाली बातों को अपने विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। अन्य संप्रदायों की परंपराओं के बारे में भी बात करने के लिए तैयार रहें। इसमें सम्मिलित हो सकते हैं : फिल्म ना देखना, कुछ शब्दों का इस्तेमाल करना और कुछ शब्दों का इस्तेमाल ना करना, सिर को ढंकना, कलीसिया में उपस्थित रहना, देना, कपड़े पहनना, घर आने का समय, प्रार्थना करने के तरीके आदि।

2. आप किसी ऐसे व्यक्ति से कैसे प्रेम कर सकते हैं जो आपकी कोई परंपरा तोड़ रहा है? क्या आपके विद्यार्थी उनसे बातें करते हैं जो उनके रीति रिवाज तोड़ते हैं। क्या वे उनके साथ बाहर जाते हैं। क्या वे उनके साथ अच्छे मित्र बनते हैं जो उनके रीति–रिवाजों को नहीं मानते? एक दूसरे से प्रेम करने के तरीकों पर चर्चा करें।

3. यदि आप रति रिवाजों को तोड़ने वालों के साथ संयम के साथ रहते हैं और इसके कारण आप आप्रसिद्ध हो। तो क्या आप फिर भी संयम के साथ रहेंगे। इस बारे में चर्चा करें कि जब हम स्कूल में या कलीसिया में अप्रिय होते हैं, तो कैसा अनुभव होता है। हम उनके साथ नम्रता कैसे दिखाते हैं जो अप्रिय या अप्रसिद्ध हैं? यदि यीशु आपके स्कूल में होता तो वह क्या करता।

रिंग के अंदर

अपनी परंपरा के ऊपर किसी पर नम्रता करने का चुनाव करें। इसका यह अर्थ हो सकता है कि इस बात को समझना कि वे कब आपकी परंपराओं को तोड़ते हैं और इस पर कोई टिप्पणी नहीं करते। किसी को भी दुखी ना करने का निश्चय लें, अथवा इस प्रक्रिया को करते समय अपने प्रति सावधानी रखें।

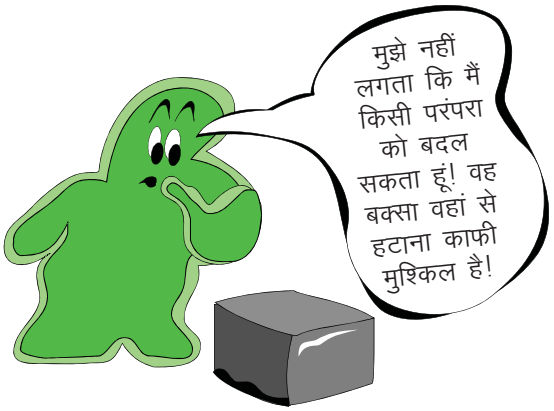

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

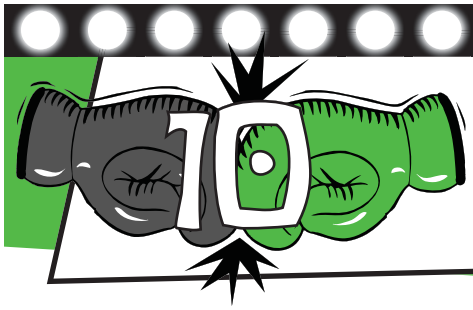

नम्रता बनाम कड़ुवाहट

बाइबल की कहानीः कैन और हाबिल

उत्पत्ति 4:1—16

नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी नींबू का पानी बेच रहे हैं। तब फ्रेडी थोड़ा कड़ुवे चॉकलेट को नींबू के पानी के एक पात्र में डालने का फैसला करता है। फिर वह कहता है, ''मुझे नहीं पता कि वे इसका स्वाद क्यों पसंद नहीं करते, मैंने तो केवल थोड़ा सा कड़ुवा चॉकलेट ही मिलाया है।

याद करने की आयतः

"सब प्रकार की कड़वाहट और प्रकोप और क्रोध, और कलह, और निन्दा सब बैरभाव समेत तुम से दूर की जाए।" इफिसियों 4:31

मुख्य पाठ

आज का संघर्ष नम्रता और कड़ुवाहट के बीच है। कड़ुवाहट एक कारागृह के समान है! हम सोचते हैं कि हमने एक बुरे व्यक्ति को जेल में डाला हैं, जबकि वास्तविकता में हम स्वयं ही हैं जो बंद किए गए हैं! सच्चाई यह है, कि लोग हमें चोट पहुंचाते हैं। कई बार हम कुछ ऐसा गलत करते हैं कि हम उस तरह के व्यवहार के लायक पात्र बन जाते हैं और कई बार हम बिल्कुल निर्दोष होते हैं। किसी भी प्रकार से, हम अपने हृदयों के लिए स्वयं जिम्मेदार होते हैं।

कड़ुवाहट एक चोट के रूप में आरंभ होती है। पीड़ा का जाहिर करने का एक सामान्य प्रतिक्रिया क्रोधित होना होता है, और वह आग जाकर द्वेष में बदल जाती है। यदि इसे यूं ही पनपने दिया जाए तो धीरे धीरे यह एक पीड़ादायक फोड़ा बन जाएगा जो होती है कड़ुवाहट! कड़ुवाहट की एक परिभाषा है, ''क्रोध का एक दीर्घकालिक और व्यापक दहकता या सुलगता हुआ रूप।''

यीशु मसीह के सुसमाचार के विषय में एक आश्चर्यजनक बात यह है कि मसीही लोगों को कुछ छू नहीं सकता! वे मेरे देह को जलाकर नष्ट कर सकते हैं, परंतु मेरी आत्मा को छू नहीं सकते। वे लोगों के सामने मेरी निंदा कर सकते हैं, परंतु यीशु जानता है कि मैं निर्दोष हूं। अंत में, प्रत्येक व्यक्ति को उसके कार्यों के अनुसार भुगतान किया जाएगा। स्वर्ग में, मैं अपने व्यवहार के लिए पुरस्कृत किया जाऊंगा और ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे कि कोई मेरे आनंद को चुरा सके। लोग मेरी संपत्ति को इस धरती पर चुरा सकते हैं, परंतु कोई भी मेरे उन बहुमूल्य खजाने को नहीं चुरा सकता जो मैंने स्वर्ग में रखा हैं। यह सब सत्य है, जब तक कि, मैं कड़ुवाहट को अपने हृदय में गुनाहों को करने के लिए अनुमति नहीं देता हूं जैसा कि अन्य लोगों ने मेरे साथ किया हैं। अगर मैं लगातार इस बारे में सोचता रहा हूं कि किस प्रकार मेरे साथ गलत किया गया और मैं दोषी ठहराया गया, तो यह मेरी आत्मा में प्रवेश कर जाएगा और मेरे व्यक्तित्व पर अधिकार कर सकता है। मैं अविश्वासी, संदेही, निराश, आलोचक और अप्रसन्न हो सकता हूं। जिस व्यक्ति ने मेरे साथ गलत किया वह मेरा आनंद नहीं चुरा सकता, जब तक कि मैं उन्हें ना दूं।

आज के पवित्र शास्त्र की कहानी कैन और हाबिल के बारे में है, दो भाई जो परमेश्वर को बलिदान चढ़ाने का प्रयास कर रहे थे। कैन भेंट के रुप में चढ़ाने के लिए कुछ फल और सब्जियां ले आया, और हाबिल एक मेमने को बलिदान के लिए लेकर आया। परमेश्वर ने हाबिल की भेंट को पसंद किया, परंतु कैन की भेंट को स्वीकार नहीं किया। संपूर्ण पवित्र शास्त्र में शुरू से अंत तक परमेश्वर ने सदैव पशुओं के बलिदान को ही स्वीकारा है। हो सकता है कि कैन यह नहीं जानता था, लेकिन वह पूछ सकता था। जब उसने देखा कि परमेश्वर उसके फल और सब्जियों से प्रसन्न नहीं हुआ, तो वह उन्हें एक मेमना खरीदने के लिए बेच सकता था। इसकी बजाय, उसने अपने हृदय में क्रोध को उत्पन्न होने की अनुमति दी। परमेश्वर ने कैन को उसे उत्साहित करने के लिए बातें की, परंतु कैन सुनना नहीं चाहता था। इसके स्थान पर, उसने उस क्रोध को दहकने की अनुमति दी और वह कड़ुवाहट में परिवर्तित हो गया। क्रोध में कैन ने अपने भाई हाबिल पर आक्रमण कर दिया।

ईमानदारी से कहें तो, जिन्होंने हमारे विरुद्ध पाप किया है उन्हें क्षमा कर पाना बहुत ही कठिन होता है। और यह भी कठिन होता है कि जब हम कोई गलत काम करते हैं तो अपने अधिकारियों से अनुशासन या दंड़ प्राप्त करना। स्वीकार करने और बदलाव के लिए हमारे हृदय में नम्रता का होना आवश्यक है। कैन ने सोचा कि वह हाबिल को परमेश्वर का प्रिय होने के कारण कारागृह में डाल रहा है। परंतु, इसकी बजाय, उसने स्वयं को अपने बचे हुए शेष जीवन के लिए कारागृह में डाल दिया,! क्या आप अपने जीवन के लिए कड़ुवाहट के स्थान पर नम्रता का चुनाव करेंगे? क्या आप अन्य लोगों को आपका हृदय चोरी करने की अनुमति देने से मना करेंगे? यह संपूर्ण रूप से आप पर निर्भर है कि आप अन्य लोगों को कितना लेने की अनुमति देते हो?

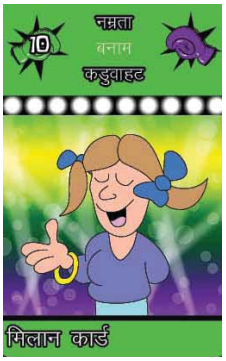

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

म	सी	ही	भ	अ	स	उ	ना	रा	चु	व
प	प्र	कै	घ	क्र	ना	खा	ल	जे	त	द
र	न	दा	लि	ब	ग्र	ह	ण	यो	ग्य	ल
मे	भ	म्र	र	ख	व	नि	ज	स	व	ङ
श	घ	प	ता	अ	स	प	र्दो	भ	फ	ख
व	यी	शु	ख	अ	भे	ड़	उ	ष	ल	ल
र	ज	ज	क	ड़ा	ज	र	रो	ग	व	बि
दा	अ	द्य	घ	ख	पी	प	म	ब	क	हा
म्मे	द्य	भ	ध	ङ	भ	सु	स	मा	चा	र
जि	भ	क्रो	ह्य	न्न	प	ह	त	ग	म	व
ख	अ	क	डु	वा	ह	ट	ह	लो	ल	ख

नम्रता
कड़ुवाहट
क्रोध
जेलखाना
जकड़ा
पीड़ा
लोग

निर्दोष
जिम्मेदार
रोष
सुसमाचार
यीशु
मसीही
कैन

हाबिल
बलिदान
परमेश्वर
फल
भेड़
ग्रहणयोग्य
चुराना

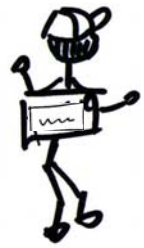

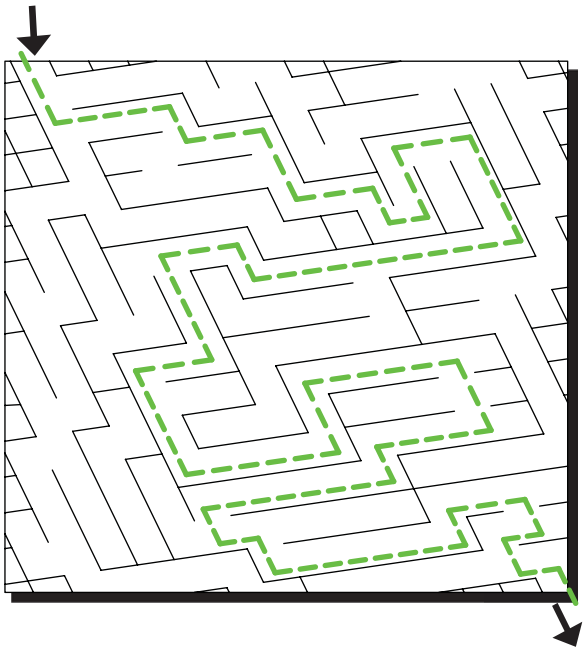

याद करने की आयतों का खेल

प्रश्न पूछें

याद करने की आयत के प्रत्येक शब्द को कागज के एक पर्ची पर लिखें। प्रत्येक बच्चे के पीठ पर उन पर्चियों के टुकड़ों को चिपकाएँ। उन्हें आपस में एक दूसरे से पूछने दें कि उनके पीठ पर कौन सा शब्द लिखा हुआ है, और फिर एक सही क्रम में खड़े हो।

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. जब हम कड़वाहट से भरे होते हैं तो यह कैसा प्रतीत होता है? क्या आप किसी को जानते हैं जो कड़वाहट से भरा है? लोगों के नामों का उल्लेख ना करें, केवल उनके कर्मों पर चर्चा करो जो उनके कड़वेपन को प्रमाणित करते हैं। यह दूसरों पर चीखना–चिल्लाना हो सकता है, किसी की मदद करने से अपने आप को रोकना, किसी अन्य के बारे में उनके पीछे गलत बातें बोलना इत्यादि।

2. क्या किसी ने आप के साथ गलत किया? क्या आप उन्हें क्षमा कर पाए? अध्याय में से सुझाव के विषय में चर्चा करें कि यदि हम क्षमा नहीं करते, तो दरअसल हम उस व्यक्ति को हमारा आनंद, आशा और विश्वास चुराने की अनुमति देते हैं। हम उन बुरे लोगों को अपने पास से कितना चुरा लेने देना चाहते हैं?

3. क्या जिस व्यक्ति ने मेरे साथ गलत किया वह स्वर्ग में भी मुझे दुखित करेगा? पवित्र शास्त्र कहता है कि हम अपने पृथ्वी पर किए गए कार्यों के अनुसार स्वर्ग में प्रतिफल पाएंगे। यदि कोई हमें इस पृथ्वी पर दूसरों के लिए अच्छे काम करने से रोकने का कारण बनता है, तब इसका प्रभाव यह होगा कि स्वर्ग में हमारा प्रतिफल भी कम हो जाएगा! इसलिए, हां, पृथ्वी पर लोग आपके अनंत जीवन पर प्रभाव डाल सकते हैं।

रिंग के अंदर

किसी ऐसे व्यक्ति को चुनो जिनसे आपको गुस्सा है, और उनको माफ करो। प्रार्थना के लिए कुछ समय निकालो और ऊंची आवाज़ में कहो, ''मैं तुम्हें माफ करता हूं।''

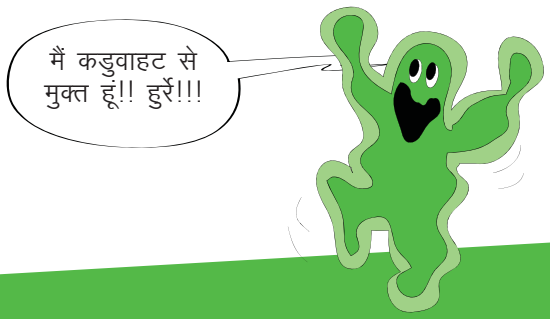

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

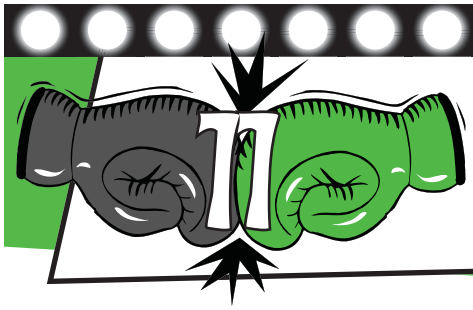

संयम बनाम परीक्षाएं

बाइबल की कहानीः यीशु की परीक्षा होती है

मत्ती 4:1–11

नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी को स्कूल में एक परीक्षा देनी थी। फ्रेडी को याद आया कि पढ़ाई करने की बजाय वह खेल सकता था, और उसके बाद परीक्षा में विक्की की नकल कर सकता था। उसने सोचा, ''अगर मैं विक्की की कॉपी से नकल करूंगा तो किसी का ध्यान मुझ पर नहीं जाएगा, और अगर वे मुझे पकड़ भी लेते हैं तो मैं उनसे वायदा कर दूंगा कि आगे मैं कभी नकल नहीं करूंगा।

याद करने की आयतः

"तुम किसी ऐसी परीक्षा में नहीं पड़े, जो मनुष्य के सहने से बाहर है: और परमेश्वर सच्चा है: वह तुम्हें सामर्थ से बाहर परीक्षा में न पड़ने देगा, बरन परीक्षा के साथ निकास भी करेगा; कि तुम सह सको।"

1 कुरिन्थियों 10:13

मुख्य पाठ

आत्मिक जगत में वास्तविक लड़ाई हमारे हृदयों के लिए लड़ी जाती है। परमेश्वर हमारे हृदय को चाहता है और शैतान इस बात को जानता है। उसे पृथ्वी पर मंडराने की अनुमति दी गई है, और वह अपनी दुष्टात्माओं के साथ, वह हमारे हृदयों को चुराने का प्रयास करता रहता है। एक तरीका यह है कि शत्रु हम पर पाप करने का प्रलोभन देकर, हम पर आक्रमण करता है। हमें संयम के द्वारा प्रलोभन से संघर्ष करते हैं।

आज के पवित्र शास्त्र की कहानी यीशु मसीह पर है जब उसने सेवा आरंभ करने से पहले शैतान के द्वारा परीक्षाओं का सामना किया। पवित्र आत्मा यीशु को सूखे निर्जन स्थान की ओर ले गया जहां वह शैतान के द्वारा परखा गया। उसने 40 दिन का उपवास किया और उसके बाद उसे तेज भूख लगी। सर्वप्रथम शैतान ने उसे यह सुझाव देकर परीक्षा ली कि उस को पत्थर से रोटी बना देनी चाहिए। परंतु यीशु उस परीक्षा के स्थिर खड़ा रहा और शैतान को पवित्रशास्त्र में से उत्तर दिया, यह कहकर कि हम केवल रोटी से ही जीवित नहीं रहते। तब शैतान यीशु को मंदिर के सबसे ऊंचे स्थान पर लेकर गया और उसे सुझाव दिया कि वह स्वयं को वहां से नीचे गिरा दे क्योंकि परमेश्वर के स्वर्गदूत उसकी रक्षा करेंगे! यीशु ने दोबारा पवित्र शास्त्र के द्वारा शैतान को यह कहते हुए डांटा, कि हमें परमेश्वर के परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। शैतान ने यीशु को तीसरी बार ऊंचे पहाड़ पर से परखा। मूल रूप से शैतान ने कहा, "मेरी आराधना कर और मैं तुझे यह सारे राज्य और उनका वैभव दे दूंगा।" एक बार फिर, यीशु परीक्षा में स्थिर खड़ा रहा और पवित्र शास्त्र में से यह कहकर उत्तर दिया कि हमें केवल एक ही सच्चे परमेश्वर की आराधना करनी चाहिए। तीसरी परीक्षा के बाद शैतान यीशु के पास से चला गया और स्वर्ग दूत उसके पास आकर उसकी सेवा टहल करने लगे।

परीक्षाओं का विरोध करना बहुत ही कठिन हो सकता है और उसके लिए संयम की आवश्यकता है। हम सभी अपने हृदयों में स्वार्थीपन के साथ जन्मे हैं। स्वयं को सुरक्षित करना हमारे लिए बहुत ही साधारण बात है, अपने स्वयं के लिए अधिक खाना लेना, या व्यक्तिगत प्रसिद्धि के लिए कठोर परिश्रम करना। हालांकि, संयम के द्वारा और पवित्रशास्त्र की समझ के द्वारा, हम इन परीक्षाओं से लड़ सकते हैं और जीत भी सकते हैं, जैसे यीशु ने किया। उसने अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं को अपने मन में नहीं आने दिया। इसके बजाय यीशु ने अपने स्वयं पर पूर्ण नियंत्रण बनाए रखा जब वह शैतान से पवित्रशास्त्र के द्वारा लड़ा। दुर्भाग्य से, शत्रु इस बात को वास्तविक रुप से अंदाजा लगा सकता है कि हम क्या चाहते हैं, और उसके द्वारा हमारी परीक्षा करता है। यीशु इस बात को समझता है क्योंकि वह एक पूर्ण मानव था और उसने कठिन परीक्षाओं का सामना किया! हालांकि, वह सफल हुआ और पाप नहीं किया! क्या आप अपनी इच्छाओं को नियंत्रित करने के लिए और उन परीक्षाओं से लड़ने के लिए इच्छुक हैं जो आपके मार्ग में आती है?

याद करने की आयतों का खेल

गर्म आलू

किसी भी बैग को 'गर्म आलू' के रूप में प्रयोग करें और उस के अंदर पर्चियों पर याद करने की आयतों के एक एक शब्द को लिखकर उस के अंदर डाल दें। बच्चों को एक बड़े गोल आकार में बैठायें और संगीत शुरू करें। जब संगीत बंद होता है, तब वह बच्चा उस कागज़ के बैग या थैले से कागज के एक पर्ची को बाहर निकालेगा। वे उसे या तो बोर्ड पर चिपका सकते हैं या फिर उनके गोले के मध्य में फर्श पर रख सकते हैं। बच्चों को मिलकर एक साथ काम करने कि वे उस याद करने के आयत को सही क्रम में रखें।

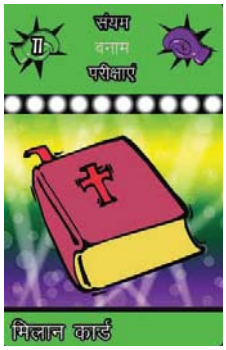

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

आ	व	ल	ख	भ	मं	प	र	स	उ	व	ल	मा	प्र	चु	ङ	स्
रा	त	र	शै	ट	प	दि	उ	क	म	प	ख	न	न्न	रा	ख	व
ध	च	प	छ	ता	र	प	र	खा	द्य	ज	वा	व	धे	ना	ल	र्ग
ना	टी	ज	म	ठ	न	व	न	अ	भ	द्य	त	स	यी	भ	ग	दू
स	रो	अ	व	न	श	घ	पू	प्र	फ्र	सा	ह्र	भ	स	शु	छ	त
खे	ळ	न	ख	मे	ज	र्ण	ब	अ	नु	म	ति	ह	प	र	स	य
छ	सं	सा	र	छ	ठ	रू	य	ढ	य	ना	ख	भू	ड	छ	द	ग
ड	य	प	री	क्षा	त्र	ळ	फ	सं	ठ	ट	क	म	ल	ह्र	व	ख

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

संसार	मंदिर
शैतान	रोटी
अनुमति	स्वर्गदूत
परमेश्वर	परखा
चुराना	आराधना
ह्रदय	सामना
यीशु	संयम
परीक्षा	पूर्ण
उपवास	मानव
भूख	

सवाल और जवाब

1. परीक्षाओं में हार मानने में बहुत ही गलत क्या बात है? बाइबल बताती है कि हम एक दिन पृथ्वी पर हमारे द्वारा किए गये कार्यों के अनुसार स्वर्ग में प्रतिफल पाएंगे। जब हम शत्रु के सामने हार मान लेते हैं जो हमें पाप के द्वारा परखता है, तो दरअसल हम उसे हमारे इस पुरस्कार को चुराने की अनुमति देते हैं जो एक दिन हमारा होने वाला था। परीक्षाओं में हार मानना एक चोर को हमारे अपने घर में प्रवेश करने देने की और वस्तुएं चुराने की अनुमति देने के समान है। चोर हमारे घर में चोरी करने के लिए आ सकता है लेकिन साधारणतः हम जानबूझ कर उसे इसकी अनुमति नहीं देते!

2. क्या होगा यदि कोई हमसे नफरत करें? कुछ परीक्षाओं पर विजय पाना काफी कठिन होता है क्योंकि यह हमारे स्कूल में हमारे सभी मित्रों के विरुद्ध जाता है। जब अन्य हम पर हंस रहे हो या हमारा मजाक उड़ा रहे हो क्योंकि हम भिन्न है तो परीक्षाएं और अधिक कठिन हो जाती है। स्मरण रखने वाली महत्वपूर्ण बात यह है कि वे मित्र हमारी ओर नहीं होंगे, ना तो इस पृथ्वी पर और ना ही स्वर्ग में। हालांकि, हम अपने कार्यों के लिए स्वयं परमेश्वर के सामने उत्तरदायी होंगे और एक दिन उसके सिंहासन के सन्मुख खड़े होकर हमें प्रत्येक उस बात का जवाब देना है जो हमने किया और कहे हैं।

3. परमेश्वर किस कारण से अधिक देर इंतज़ार करता है? यीशु अवश्य ही आश्चर्यचकित रहे होंगे कि क्यों उसे बचाने के लिए परमेश्वर को उस सूखे स्थानों में इतने लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। क्यों उसे शत्रु का अकेले ही सामना करना पड़ा? सच्चाई यह है कि जब हम इंतजार करना सीखते हैं तब हम और अधिक शक्तिशाली बनते जाते हैं। इसके अलावा, परमेश्वर हमसे चाहता है कि हम स्वयं शत्रु से लड़ना सीखें। परमेश्वर हमेशा हमारी रक्षा करने के लिए स्वर्गदूतों को नहीं भेजेगा। परमेश्वर हमसे चाहता है कि हम हमारी रक्षा करने के लिए स्वयं शक्तिशाली बनें और दूसरों की रक्षा करने के भी योग्य बनें।

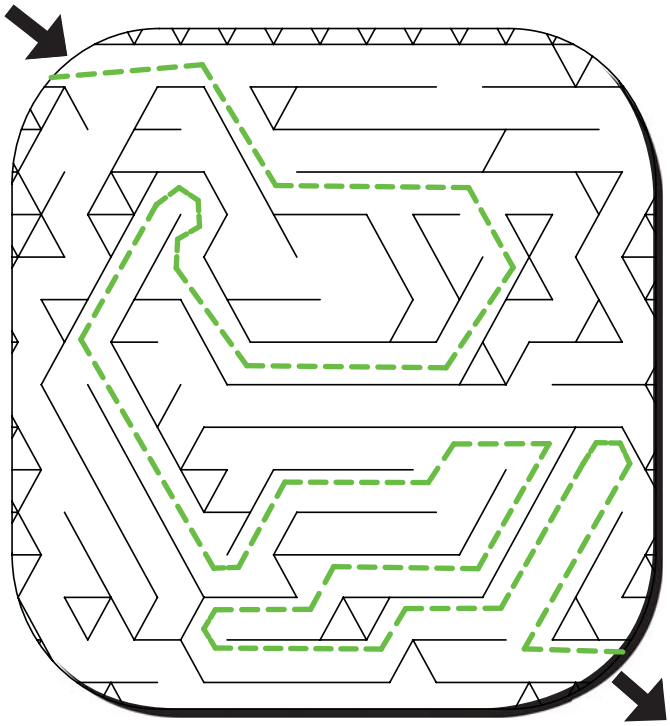

रिंग के अंदर

किसी एक परीक्षा (प्रलोभन) का विरोध करें और यदि आप कर सकें तो पवित्रशास्त्र की आयतों का इस्तेमाल करें जैसे यीशु ने किया। अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण बनाए रखें और अपने आप को उस प्रलोभन के लिए समर्पित होने की अनुमति ना दें।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

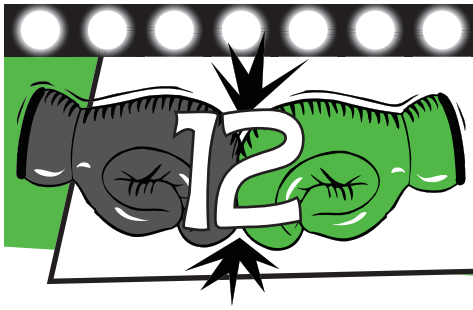

संयम बनाम झूठ बोलना

बाइबल की कहानीः याकूब एसाव की आशीषों को चुराता है

उत्पत्ति 27:1–36

नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी दोनो संडे स्कूल जाने के लिए तैयार थे, लेकिन फ्रेडी नहीं जाना चाहता था क्योंकि पास में ही एक फुटबॉल मैच चल रहा था। इसलिए वह कहता है कि उसके पेट में दर्द है। तब उसके पिताजी दुकान से कुछ बहुत ही कडुवी दवाई लेकर आते हैं और एक बड़ी चम्मच में डालकर उसे पिलाते हैं।

याद करने की आयतः

"जिस ने किसी को झूठी बातों से घायल किया हो वह उस से बैर रखता है, और चिकनी चुपड़ी बात बोलनेवाला विनाश का कारण होता है।" नीतिवचन 26:28

मुख्य पाठ

इस सप्ताह हमारा युद्ध झूठ के विरुद्ध संयम के बीच है। दुर्भाग्य से, हम सब ने किसी न किसी समय झूठ से लड़ाई की है। परमेश्वर हमसे यह चाहता है कि हम उसके प्रति, स्वयं के प्रति और अन्य लोगों के प्रति ईमानदारी और सच्चे बने रहें। कई बार हम अपने माता पिता या अपने शिक्षकों से झूठ बोलते हैं ताकि हमें हमारे गलतियों के लिए सजा ना मिले। हो सकता है हम अपने स्कूल या अपने घर में नकल करते हुए या खेलते हुए पकडे गए हो। परंतु सजा से बचने के लिए हम ऐसी कहानी बनाते हैं जो सच नहीं होती, ताकि हम किसी प्रकार की समस्या में ना पड़ें।

आज की बाइबल कहानी में, याकूब ने अपने भाई की आशीष को चुराने के लिए अपने पिता से झूठ बोला। उनका पिता बूढ़ा हो रहा था और वह अपनी मृत्यु से पहले की परंपरा के अनुसार अपनी आशीष को देना चाहता था। उस समय, इसहाक की आंखें धुंधली पड़ गई थी। उसने अपने बड़े बेटे ऐसाव को अपने पास बुलाया और उससे कहा कि वह उसके लिए शिकार करे और एक स्वादिष्ट भोजन तैयार करें, क्योंकि अब समय आ गया था कि वह अपने उत्तराधिकारी के आशीष को अपने पुत्र को दे।

रिबेका अपने पति की बातें सुन रही थी। वह अपने पुत्र याकूब को ऐसाव से अधिक प्रेम करती थी। इसलिए उसने याकूब के साथ मिलकर एक झूठ बोलने की योजना बनाई ताकि वह एसाव की आशीषों को चुरा सके। याकूब ने तुरंत ही दो बकरियों को पकड़ा और उन्हें मारकर अपनी माता को दे दिया ताकि वह एक अच्छा स्वादिष्ट भोजन तैयार करे। परंतु एसाव के शरीर पर बहुत बाल थे और याकूब की त्वचा कोमल थी। उन्होंने याकूब के हाथों और गले की त्वचा पर बकरी की खाल पहना दिया ताकि वह ऐसाव जैसा ही लगे। याद रखें कि उनके पिता इसहाक की आंखें धुंधली हो गई थी और वह देख नहीं पाता था इसलिए उसने याकूब को छुआ और जब उसे बाल वाली चमड़ी महसूस हुई तो उसने सोचा कि वह ऐसाव ही है! याकूब ने ऐसाव के वस्त्र भी पहन लिए थे ताकि उससे उसके ही भाई की गंध आए। यह झूठ काम कर गया और इसहाक ने यह विश्वास कर लिया कि वह अपने बड़े बेटे ऐसाव से ही बातें कर रहा है। लेकिन, यह सब कुछ होने के बाद, ऐसाव याकूब पर बहुत अधिक क्रोधित हुआ कि वह उसे मार डालने की योजना बनाने लगा।

याकूब को अपना घर छोड़ना पड़ा और अपने मामा के पास दूर जाकर रहना पड़ा। वह कई वर्षों तक अपने घर वापस नहीं आ पाया! सच्चाई यह है कि जब हम झूठ बोलते हैं तब हमेशा हमारे आगे समस्याएं इंतज़ार करती रहती हैं। हम में से बहुतों के पास ऐसे प्रलोभन आएंगे कि हम अपने माता पिता, अध्यापक और परमेश्वर से भी झूठ बोले। परंतु परमेश्वर सब बातें देख सकता है। वह जानता है कि हम कब झूठ बोल रहे हैं और कब सच बोल रहे हैं। क्या आप अपने जीवन में संयम का प्रयोग करेंगे, और सच बोलेंगे?

याद करने की आयतों का खेल

टिक–टाक–टॉ

याद करने की टिक–टाक–टॉ आयत एक बहुत ही अच्छा–आसान खेल है और उसके लिये कोई पूर्व योजना की आवश्यकता नहीं है। खेलने के लिए, 3 कुर्सियों के 3 पंक्तियों को अपने कक्षा के बीचोंबीच रखें ताकि आप उसे अपने टिक–टाक–टॉ बोर्ड की तरह इस्तेमाल कर सकें। अगर आप अपनी कक्षा में कुर्सियों का इस्तेमाल नहीं करते हो तो पेपर प्लेट या कागज को फर्श पर अपने टिक–टाक–टो बोर्ड की तरह इस्तेमाल कर सकते हो। प्रत्येक टीम के सदस्य जब याद करने की आयात को सही से दोहराते हैं, तो वह टिक–टाक–टॉ बोर्ड पर अपना स्थान चुनें और उस पर बैठें या खड़े हो। पहली टीम जो टिक–टाक–टॉ को कर लेती है वह जीतती है।

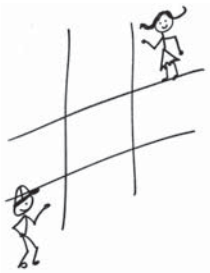

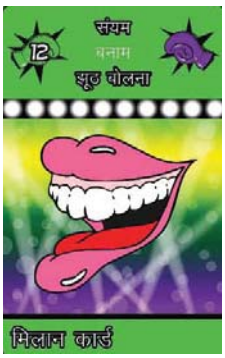

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

रो	आं	र	त	क	हा	नी	स	उ	भो	ड	या	य	ढ	ख	ल	र
प्र	सं	प	ह	र	प	द्य	ना	द	ज	छ	ट	कू	स	उ	क	व
भ	ग	य	ठ	यां	ळ	ट	व	क	न	ई	ही	झू	ब	थ	व	श
व	ल	प्र	म	रि	ले	त्र	ब	क्ष	ही	च्चा	प	ट	ठ	हा	भा	मे
सा	ख	मि	त्र	क	प	डे	इ	शि	त	स	ज	न	अ	ग	भि	र
ए	ङ	व	द	ब	ई	मा	न	दा	र	क	म	ष	शी	आ	अ	प

संयम
लेटना
ईमानदार
सच्चाई
झूठ
अभिभावक
शिक्षक
मित्र
कहानी
याकूब
एसाव
आशीष
बकरियां
भोजन
रोआंर
हाथ
कपड़े
परमेश्वर

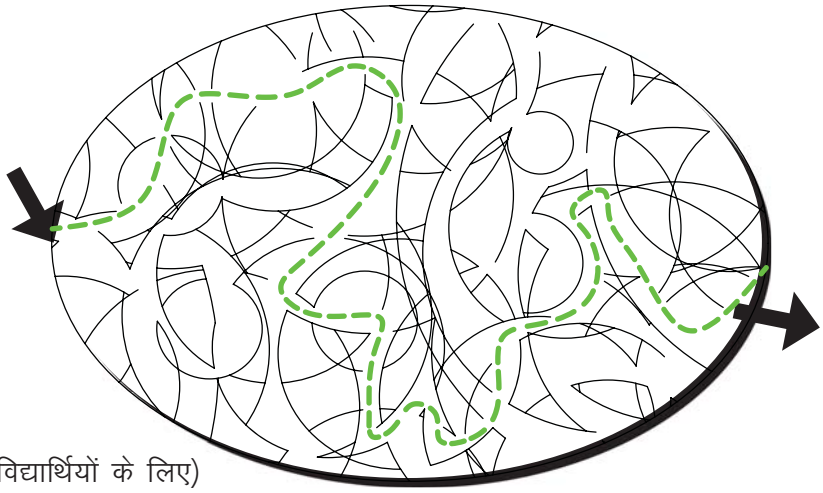

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

सवाल और जवाब

1. क्या हमें वास्तव में हर समय ईमानदार होना चाहिए? ईमानदारी सर्वोत्तम है।
यदि हम दूसरों पर दोष लगाने का प्रयास करते हैं तो हम परमेश्वर की इच्छा अनुसार बढ़ नहीं पाएंगे और ना ही मजबूत मसीही बन पाएंगे। जब हम कुछ ऐसी बात कहते हैं जो हमने ना की हो तब हम और परेशानियों में आ जाते हैं। परमेश्वर के प्रति और अन्य लोगों के साथ ईमानदार रहने से हम बढ़ते और परिपक्व होते जाते हैं जब हमें ताड़ना की जरूरत होती है, और यह हमें किसी भी परेशानी में पड़ने से बचाते हैं।
2. क्या हमेशा सही होना कुछ मायने रखता है? यदि आप के कारण कोई अन्य परेशानी में पड़ता है तो ईमानदारी हमेशा ठीक नहीं है। परमेश्वर नहीं चाहता कि हम हमेशा लोगों को बोले हैं और वे किसी समस्या में पड़ जाए। कई बार यह कोई अर्थ नहीं रखता कि हम सही है। हमें दूसरों के साथ दयालुता दिखने के लिए भी संयम की आवश्यकता पड़ती है, यद्यपि वे इस के योग्य ना भी हो।
3. झूठ बोलने के कारण आपने किस परेशानी को देखा है? याकूब को झूठ बोलने के कारण अपना घर कई वर्षों के लिए छोड़ना पड़ा। क्या आप झूठ बोलने के कारण किसी परेशानी में फंसे हो? सभी विद्यार्थियों को अपने व्यक्तिगत कहानियां बोलने का अवसर दें, और सबको स्मरण दिलायें कि जो भी बातें वे बताते हैं उसे कहीं और जाकर बात न करें। जो कुछ भी कक्षा में बांटा गया, वे बातें गुप्त रहें।

रिंग के अंदर

सभी झूठ बोलते हैं, चाहे कुछ लोग थोड़ा ही क्यों न बोलते हो। कोई ऐसा झूठ जो आपने इस वर्ष बोला हो उसे याद करें। उस व्यक्ति के पास जाएं, उससे झूठ बोलने के लिए माफी मांगें और उसे सच बताएं।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

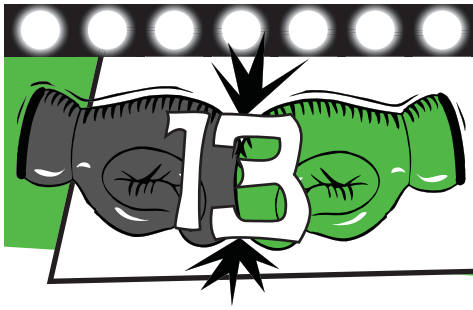

संयम बनाम आलस्य

बाइबल की कहानीः बुद्धिमान और मूर्ख कारीगर

मत्ती 7:24—27

नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी कुछ प्लास्टिक के बिल्डिंग ब्लॉक को जोड़कर कुछ बना रहे थे जो उन्हें उपहार में मिला था। विक्की ने ध्यान से सभी निर्देशों को पढ़ा, लेकिन फ्रेडी ने उन निर्देशों को बिना पढ़े ही बनाने का निर्णय किया। विक्की अपने दूसरे दोस्तों के साथ मजे से इसे खेल रहा था जबकि फ्रेडी अब भी यही खोजने में लगा था कि इन ब्लॉकों को कैसे इस्तेमाल करें।

याद करने की आयतः

"इसलिये जो कोई भलाई करना जानता है और नहीं करता, उसके लिये यह पाप है।" याकूब 4:17

मुख्य पाठ

अब हम इस वर्ष के आत्मा के फल रूपी विषय के अध्ययन के अंत में पहुंच रहे हैं! अब हमारे पास केवल एक ही अध्याय बचा हैः संयम बनाम आलस्य। यह सोचना बहुत ही उत्साहवर्धक होगा कि यदि हम अपने जीवन में आत्मा के फल को सबसे अधिक महत्वपूर्ण स्थान दें और यदि प्रत्येक फल पर परिश्रम के साथ कार्य करें, जैसा कि जब हम किसी खेल को सीखते हैं, तब हम ''नॉक आउट'' को प्राप्त कर सकते हैं और प्रतियोगिता को जीत सकते हैं। हमारी यही प्रार्थना है कि आप में से प्रत्येक विद्यार्थी इस पूरे वर्ष में कई बार जीतें!

आलस्य पर विजयी होने के लिए, हमें स्वयं की इच्छाओं पर नियंत्रण रखना आना चाहिए और जब हम थक जाते हैं तब भी हार नहीं माननी चाहिए। हमारे पास योग्यता होने के बाद भी, जब हम कोई प्रतिक्रिया या कार्य नहीं करते, तब उसे आलस्य कहते हैं। क्या आपके जीवन में ऐसा कोई क्षेत्र है जिसमें आप में जीतने की योग्यता है परंतु आप नहीं कर रहे? क्या यह संभव है कि आप उस क्षेत्र में आलस्य दिखा रहे हैं? हमें ऐसा लग सकता है कि आलस्य एक छोटा सा पाप है और यह उतना बुरा भी नहीं है। परंतु, यदि हम वह नहीं करते जो परमेश्वर हम से चाहता है कि हम करें, क्योंकि हमें अपने स्वयं के आलस्य से लड़ने के लिए संयम नहीं होता, तो दरअसल हमने आज्ञा नहीं मानी है। यदि हम परमेश्वर के विरुद्ध होकर उसकी आज्ञा को नहीं मानते या हम आलस्य के कारण उसकी आज्ञाओं को नहीं मानते, तो दोनों का परिणाम एक ही है। यदि हम उस कार्य को नहीं करते जो परमेश्वर हमसे करने को कहता है तो हम अपना घर बालू या मिट्टी पर बना रहे हैं।

आज ही बाइबल कहानी एक बुद्धिमान और एक मूर्ख घर बनाने वालों पर आधारित है जिनके बारे में यीशु अपने पहाड़ी उपदेश के अंत में कहता है। यीशु कहता है कि जो कोई उसकी बातों को सुनता है और उस पर अमल करता है, वह उस बुद्धिमान मनुष्य के समान होगा जो अपना घर चट्टान पर बनाता है। जब आंधी और तूफान आता है तब भी वह घर स्थिर खड़ा रहता है। परंतु जो व्यक्ति यीशु की बातों को सुनकर उन पर अमल नहीं करता वह उस मूर्ख व्यक्ति के समान है जिसने अपना घर बालू पर बनाया। फिर जब आंधी आती है तब उसका घर गिरकर नष्ट हो जाता है।

हम ऐसा सोच सकते हैं कि यह उपदेश उन सब लोगों के लिए हैं जो परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते। हम यह सोच सकते हैं कि जो मसीही लोग कलीसिया मे जाते हैं वे अपने घर चट्टान पर बनाते हैं। परंतु, यीशु ऐसा नहीं कहता। यीशु कहता है कि यह दृष्टांत उन लोगों के लिए है जो वास्तव में उन बातों पर अमल करते हैं जो उसने कहा है। हममें से वे जो यह विश्वास करते हैं कि यीशु मसीह ही परमेश्वर का पुत्र है और मसीही संगति में रहते हैं, तो यह उनके लिए महत्वपूर्ण है। हमें आलसीपन के कारण यीशु की आज्ञाओं को मानने से नहीं रुकना चाहिए। क्योंकि आलस्य के कारण भी हम घर चट्टान पर नहीं बना पाते! क्या आप अपने स्वयं के आलस्य से लडने का चुनाव करेंगे ताकि आपका जीवन चट्टान पर बने रहे? क्या आप चाहते हैं कि जब आंधी या कठिन परिस्थितियां आए तब भी आपका जीवन दृढ़ और स्थिर बना रहे? यदि आप का उत्तर ''हां'' है तो आप को वही करना चाहिए जो यीशु आपको आज्ञा देता है।

याद करने की आयतों का खेल

एक धुन बनाएं

एक धुन को निकाले या बनायें और आयत को कहीं ऐसे जगह पर लगायें जहॉ सब देख सकते हैं। छात्रों को अब उस आयत में से एक धुन निकालना होगा। आप एक समूह से भी शुरू कर सकते हो, जैसे सिर्फ लड़कों से करायें, या सिर्फ लड़कियॉ करें, और यदि उन्हें अच्छो लगता है तो अंत में एक बार में एक विद्यार्थी को ऐसा करने दो! बच्चे इसे बहुत पसंद करेंगे!

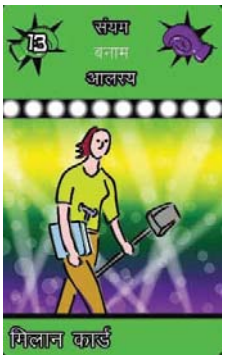

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

का	न	ज	अ	ग	ल	ख	त	द्य	र्ण	च	मू	प्र	धे	ज	न	ल
ह	री	छ	ट	लू	ह	त	ज	पू	न	अ	उ	र्ख	व	ल	ख	र
त	ट	ग	उ	स	बा	ज	त्व	त	ञ	खे	प्र	घ	कृ	भ	ङ	प
प	खे	कृ	र	त	च	ह	पो	घ	भ	स	फ	बु	द्धि	मा	न	ही
फ	ल	फ्र	सं	य	म	से	प्र	ति	यो	गि	ता	चे	ट	से	ख	ट
भ	ल	प्र	न	दे	स	उ	न	टा	ट्	च	ल	ना	छ	एं	द	द्य
ख	ग	न	प	ज	श	द	व	म	ख	ल	त	फ	ठ	च्छा	व	ज
ङ	अ	ज	आ	त्मा	त	प	हा	ड़	भ	जी	ज	म	म	इ	ल	न

फल
आत्मा
संयम
महत्वपूर्ण
खेल
जीतना
प्रतियोगिता
इच्छाएं

मूर्ख
बुद्धिमान
कारीगर
संदेश
पहाड़
चट्टान
बालू

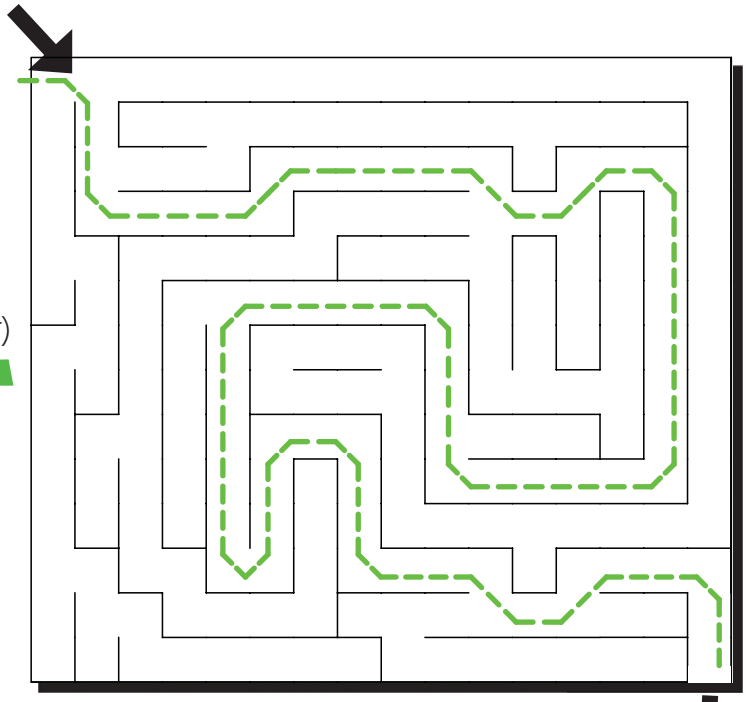

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

सवाल और जवाब

1. क्या पहाड़ी उपदेश को याद रखने से ही आप अपने घर को मिट्टी पर बनाने से बच पाएंगे? नहीं, पवित्र शास्त्र का यह उद्देश्य साफ–साफ बताता है कि अपने आधार को चट्टान पर बनाने के लिए हमें यीशु की आज्ञाओं को मानना होगा और उसकी आज्ञाओं पर चलना होगा। उसकी आज्ञाओं को केवल याद रखने से कुछ नहीं होगा।
2. आप चट्टान पर अपने आधार को कैसे बना सकते हो? आप यह विश्वास करते होंगे कि आपको अपने दुश्मनों से प्रेम रखना है लेकिन यह काफी नहीं है। आप यह भी याद रखते होंगे कि हमें अपने दुश्मनों से प्रेम करना है, परंतु यह भी काफी नहीं है। दरअसल, दुश्मनों के लिए प्रेम को दर्शाने के लिए कोई कार्य करने का ही यह अर्थ है कि आप अपना घर चट्टान पर बना रहे हैं।
3. इस वर्ष आप ने कितने मैच या प्रतियोगिताओं को जीता? अपने विद्यार्थियों के साथ पूरे वर्ष के अध्ययन और ''मैच संघर्ष'' की समीक्षा करने में थोड़ा समय बितायें। यह देखें कि कितने विद्यार्थियों ने दिए गए गृह कार्यो को पूरा किया है। जितने भी गृह कार्य पूरे किए गये है और कितनी बार उन्होंने उसे किया है, उनके लिए उनको प्रोत्साहित करें। ऊंची आवाज में उन्हें आशीषित करते हुए खुशी का प्रदर्शन करें।

रिंग के अंदर

इस सप्ताह आप कुछ ऐसा चुनाव करें जो आप नहीं करना चाहते हो और अपने स्वयं के आलस्य से लड़ें। उसे पूरा करने का यकीन करें और अपने किसी एक मित्र के साथ उसे बांटें।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

बच्चों की सेवकाई संसाधनों के लिए आपका नया सोताः

www.ChildrenAreImportant.com

हमारी सामग्रियां डाउनलोड़ करने, छापने और अन्य कलीसियाओं एवं सेवकाईयों को बिना किसी शर्त के वितरित करने के लिए बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध हैं।

कोई कॉपीराइट नहीं
जी हां!!
तो आईए और जितना ज्यादा आप चाहते हो, उतना प्रिंट करें।
यहां तक कि आप इसे बेच भी सकते हैं!
और वे हमेशा हमारे वेबसाइट में बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध रहेंगे।

क्योंकि मिलकर काम करने के द्वारा हम ज्यादा से ज्यादा बच्चों तक पहुंच सकते हैं!

Teacher 3 Champions
Hindi
20232

www.ChildrenAreImportant.com
info@childrenareimportant.com
हम मैक्सिको में स्थित हैं।

Follow us on: YouTube facebook

बच्चें महत्वपूर्ण है